



शाहरुख खान से शादीशुदा महिला ने किया प्यार का इजहार

पेज 8

सुप्रभात

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुंदर नहीं हो सकती, और जो सुंदर नहीं हो सकती, वह सत्य भी नहीं हो सकती। जहां आनंद है, वहां सत्य है। - प्रेमचंद

मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (27 जून) 7:19 बजे, सूर्योदय (28 जून) 6:04 बजे, तापमान: 31 डिग्री सें. (कुछ समय के लिए धूप।)

शॉर्ट स्टोरी

ऑपरेशन सिंदूर के छह शहीदों के नाम आए सामने

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए छह जवान अब औपचारिक रूप से देश के सामने आए हैं। सरकार ने पहली बार इन शहीदों (सुबेदार मेजर पवन कुमार, राइफलमैन सुनील कुमार, लांस नायक दिनेश कुमार, एविएशन टेक्नीशियन मूड मुरलीनाथक, हवलदार सुनील कुमार सिंह और कंपनी सर्जेंट सुरेंद्र कुमार) के नाम सार्वजनिक किए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट पर रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब सरकार ने मई 2025 में पाकिस्तान और पीओके में चलाए गए क्रॉस-बॉर्डर ऑपरेशन सिंदूर में हुई मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है।

मुंबई में 1 जुलाई से होगी मूसलाधार बारिश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई मौसम विभाग ने 27 और 28 जून को मुंबई के कुछ हिस्सों में बिजली की कड़कड़हट के साथ हल्की से मध्यम बारिश के चेतावनी जारी की है। वही 30-40 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान की संभावना है। राखे ही 29 व 30 जून को हल्की से मध्यम बारिश की बाँछरें होगी। मौसम विभाग की ताजा चेतावनी के अनुसार, महाराष्ट्र के कोकण तटीय क्षेत्रों में अगले तीन से चार दिनों तक मूसलाधार बारिश का अनुमान है। इसके मुताबिक, ठाणे में 27 और 28 जून को, जबकि पालघर में 28 जून को भारी बारिश की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने इन सभी प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

सी लिंक से कूदकर व्यवसायी ने आत्महत्या की

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई ठाणे निवासी 51 वर्षीय एक व्यवसायी ने शुक्रवार को मुंबई में बांद्रा-वरली सी लिंक से कथित तौर पर समुद्र में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान ठाणे निवासी भावेश नवीनचंद मजेटिया के तौर पर हुई है। व्यवसायी के इस कदम की वजह आर्थिक तंगी हो सकती है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि टेक्सी में सवार मजेटिया ने जी मिवचान की बात कहते हुए चालक से सी लिंक पर गाड़ी रोकने को कहा। उन्होंने कहा कि गाड़ी रुकने के बाद मजेटिया बाहर निकले और समुद्र में कूद गए। काफ़ी प्रयास के बाद मजेटिया का शव बरामद कर लिया गया।

बिना एक्सीडेंट खुला एयरबैग, युवक की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मीरा रोड मीरा रोड इलाके में एक ऐसा अजीबोगरिब और रोगत खड़े कर देने वाला वाक्या सामने आया है, जिसने कार सुरक्षा फीचर्स को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क किनारे खड़ी एक होंडा कार के अंदर बैठे 25 वर्षीय युवक मोहित सीनी की कार का एयरबैग अचानक बिना किसी बाहरी टक्कर या चेतावनी के खुल गया। स्टीयरिंग व्हील से निकला यह एयरबैग इतनी तेज रफ्तार और दबाव के साथ खुला कि वह सीधे युवक की गर्दन से जा टकराया, जो उसके लिए जानलेवा साबित हुआ। काशीमीरा पुलिस ने इस हेरान करने वाले मामले में एक्सीडेंटल डेथ का मामला दर्ज कर कार गहन जांच शुरू कर दी है।

26/11 के हीरो और लेखक आईपीएस अफसर से क्यों नाराज हो गई कांग्रेस?

विश्वास नांगरे पाटील के भाषण की जांच की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई महाराष्ट्र में नागपुर के नए पुलिस आयुक्त विश्वास नांगरे पाटील के सकल हिंदू समाज के कार्यक्रम में दिए गए भाषण का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उन्होंने आरएसएस और उसके संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार की प्रशंसा करते हुए आल इंडिया सर्विसेज आयरण नियमों को तोड़ा है। पार्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया है कि क्या अधिकारी ने कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति ली थी।

क्या सरकार से ली थी मंजूरी? ऑल इंडिया सर्विसेज (कंडक्ट) रूस्का का हवाला देते हुए कांग्रेस ने दावा किया कि किसी आईएसएस अधिकारी को ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होती है। कांग्रेस सवाल के जरिए जानना चाह रही है कि क्या नांगरे पाटिल ने ऐसी मंजूरी ली थी और अगर नहीं, तो क्या सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी?



अधिकारियों को राजनीतिक रूप से तटस्थ रहना चाहिए पार्टी ने कहा कि जो आईपीएस अधिकारी आरएसएस, हिंदुत्व और आरएसएस के संस्थापक के बी. हेडगेवार की तारीफ करते हैं, उनका ऐसा भाषण सरकारी नियमों के खिलाफ है। नियम कहते हैं कि उन्हें राजनीतिक रूप से तटस्थ रहना चाहिए और अपने पद के हिसाब से आवरण करना चाहिए। इन नियमों में अफसरों को किसी राजनीतिक या विचारधारा वाले संगठन से जुड़ने की मनाही है। पार्टी ने सवाल किया कि क्या आरएसएस जैसे संगठन के मंच पर जाकर उसकी और उसके संस्थापक की प्रशंसा करना भी इन नियमों का उल्लंघन नहीं है? पाटील को मंगलवार को नागपुर का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया।

मुंबई एयरपोर्ट के जरिए सोने की तस्करी का भंडाफोड़

8.95 करोड़ रुपए का सोना जब्त

- एयरपोर्ट कर्मचारी समेत 8 लोग गिरफ्तार
- फिर एक बार चर्चा में छाया मारवाड़ी गैंग
- बच्चों का भविष्य बर्बाद, तस्करी के बंगले आबाद
- कानून-व्यवस्था का बैंड बजा रहे गोल्ड और गांजा तस्कर



हिंदमाता ब्रेकिंग

कुख्यात मारवाड़ी गैंग की खुराफात!

मिली जानकारी के अनुसार ये गैंग मारवाड़ी गैंग के नाम से कुख्यात है। इस गैंग के कुछ लोगों को पहले दिन गिरफ्तार किया गया, जबकि एक मुख्य मास्टरमाइंड को कल गिरफ्तार किया गया है। उक्त मामले में डीआरआई ने अब तक कुल नौ लोगों गिरफ्तार किया है, जिनमें कुछ कैप्टियर कुछ ग्राउंड स्टाफ के लोग शामिल हैं। गोल्ड तस्करी का ये वही प्लेन है जो 3 साल पहले उल्हासनगर के सबसे बड़े स्मगलर्स गैंग्स के बांस मनोज दलवानी, रोहित और विक्रम खत्री चलाया करते थे। जिसको डीआरआई ने पूरी टीम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जेल से निकलने के बाद विक्रम खत्री और मनोज दलवानी अलग-अलग नाम से फिर से तस्करी के इस काम को अंजाम दे रहे हैं। उल्हासनगर आज भी गोल्ड स्मगलिंग, करंसी हवाला और आयातित हाइड्रोपोनिक गांजा (वीड) का मुख्य केंद्र बना हुआ है। उल्हासनगर से छोटी-बड़ी 15 से 20 गैंग इस काम को अंजाम दे रहे हैं।

उल्हासनगर में सक्रिय सबसे बड़े गैंग्स

- 1) मनोज रोहित और विक्रम की है (जो पहले भी डीआरआई द्वारा पकड़े जाने के बाद जेल की हवा खा चुकी है।)
- 2) (विनु-नरेश आर.)
- 3) (माहेरा-टोनी)
- 4) (धामेजानी और हरेश चिकना)

बच्चों का भविष्य बरबाद कर रहे गांजा तस्कर

ये सब गैंग्स गोल्ड में टॉप पर हैं, तो वही लोर्टदा नाम का आदमी, डी.सी., महेश पाखी, राजेश सी. ये सब गोल्ड और गांजे को अवैध रूप से बैंकों से आयात करते हैं जिसके लिए छोटे-छोटे लड़के- लड़कियों को बाहर भेजते हैं और 5/7 किलो गांजा (वीड) मंगाते हैं जिसके लिए उनको 30 से 50 हजार रुपए एक ट्रिप का दिया जाता है। ऐसे ही कई मामले में पिछले दो साल से उल्हासनगर के 30 से 35 लोग देश के अलग-अलग एयरपोर्ट पर पकड़े गए हैं। कुछ अब भी 3-4 महीने से जेल की हवा खा रहे हैं। कोई इनको पछुनेवाला या छुड़ाने का प्रयास करनेवाला नहीं है। मगर 30 हजार रुपए मिलने और विदेश घूमने का मौका मिलने की लालच में ये बच्चे अपना भविष्य खराब कर रहे हैं और मनोज जैसे गोल्ड स्मगलिंग गैंग्स फल-फूल रहे हैं। उम्मीद है कि सरकार इनके विरुद्ध एक्शन लेगी।

भवन निर्माण की आड़ में ब्लैक एंड व्हाइट का खेल

वहीं मनोज, रोहित और विक्रम लोनावला, खडला, इगतपुरी जैसे हिल स्टेशनों पर कई करोड़ के बंगले बनाते जा रहे हैं। वहीं अकेले मनोज उल्हासनगर में दस से ज्यादा बड़े-बड़े रहिवासी टावर बना रहा है। सोना तस्करी का पूरा काला पैसा भवन निर्माण में लगाकर सफेद कर रहा है। आगे जल्दी इस मामले का खुलासा हम करेंगे। हम डीआरआई के इस मामले में नजर लगाए बैठे हैं। इस केस के तार उल्हासनगर या मनोज गैंग्स से भी जुड़े हो सकते हैं।

कपड़ों के नीचे छिपाकर बाहर ले जाया गया सोना

आरोपी जब्त किए गए सोने की कानूनी मिलिक्यत या खरीद के दस्तावेज दिखाने में नाकाम रहे। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एक वैल्यूअर ने पुष्टि की कि बरामद सोने में 5,983 ग्राम वजन का 24-करेंट पिघला हुआ सोना था, जिसकी कीमत 8.95 करोड़ रुपए है। आगे की जांच के दौरान डीआरआई ने गिराह के दो और कथित सदस्यों — सचिन मेहनी और सिकंदर शेख — की पहचान की। अधिकारियों के अनुसार, मेहनी का काम एयरपोर्ट के अंदर के लोगों से तस्करी का सोना लेना और उसे नेटवर्क के दूसरे सदस्यों तक पहुंचाना था, जबकि शेख पर आरोप है कि उसने सोने के पिघलाने वाली युनिट तक पहुंचने से पहले बिजुलिया का काम किया। बाद में जांच में एयरपोर्ट कर्मचारी आशा धोत्रे की कथित भूमिका का पता चला, जो इंटरनेशनल डिपार्चर एरिया में तैनात थी। डीआरआई के अनुसार, धोत्रे ने कथित तौर पर अपने कपड़ों के नीचे सोना छिपाया और उसे एयरपोर्ट से बाहर ले गई।

सदिग्ध हवाला लेन-देन की भी जांच

इसके बाद कथित तौर पर पी-4 पार्किंग एरिया के एक वॉशरूम में यह सोना चित्रा शेठ्री को सौंपा गया, जो एक बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग फर्म में टैवल एसोसिएट के तौर पर काम करती थी। शेठ्री ने कथित तौर पर आगे पहुंचाने के लिए यह सोना मेहनी को दे दिया। डीआरआई ने बताया कि पुछताछ के दौरान दोनों महिलाओं ने अपराध में शामिल होने

की बात कबूल कर ली। डीआरआई ने कोर्ट को बताया कि जांच चल रही है और सिंडिकेट के कई अन्य सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी अभी बाकी है। अधिकारी सोने के स्रोत, इसके वितरण नेटवर्क और अवैध व्यापार से हुई कमाई को ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किए गए संदिग्ध हवाला लेन-देन की भी जांच कर रहे हैं।

राम मंदिर के चढ़ावे के पैसे से खरीदे जा रहे सांसद!

मुख्य आरोपी अब भी फरार : संजय राऊत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राम मंदिर चढ़ावा विवाद के मामले पर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि राम मंदिर चढ़ावा के मुख्य आरोपी अभी भी फरार हैं और इसका इस्तेमाल सांसदों को खरीदने में किया जा रहा है। राम मंदिर चर्चे में कथित हेराफेरी के मामले में 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर कहा कि मुख्य आरोपी अभी भी ट्रस्ट में काम कर रहे हैं। जो लोग खुद को 'हिंदुत्ववादी' मानते हैं,



वे मंदिर से करोड़ों रुपए चुराते हैं और यह पैसा राजनीति में आता है, जहां इसका इस्तेमाल सांसदों को खरीदने और राजनीतिक दलों को तोड़ने के लिए किया जाता है। आपने राम मंदिर से चुराए गए 2000 करोड़ रुपए का इस्तेमाल को तोड़ने के लिए किया। राजुत ने इस दौरान आरोप लगाया कि उनकी पार्टी द्वारा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को दिए गए एक करोड़ रुपए के दान की रसीद नहीं मिली। 25 किलो चांदी की ईंट भी भेंट की थी।

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

- पीड़ित पिता से सीएम फडणवीस की मुलाकात
- उज्जवल निकम लड़ेंगे केतन अग्रवाल का केस

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

लोनावला ग्रामीण इलाके में केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में उनके पिता विशाल अग्रवाल ने पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर बेटे के लिए न्याय की मांग की है। मुख्यमंत्री ने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का भरोसा दिया और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने के साथ-साथ सीनियर एडवोकेट उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने की मांग भी तत्काल स्वीकार कर ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ऑफिस से किए गए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया- “लोनावला के ग्रामीण इलाके में केतन अग्रवाल की दुखद हत्या के मामले में केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल ने आज पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और अपने बेटे के लिए न्याय की मांग की। हम यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इस मामले में दोषियों को सबसे कड़ी सजा मिले। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें भरोसा दिलाया कि परिवार को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।” पोस्ट में आगे कहा गया है कि इस मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त करने की उनकी मांग को भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत मान लिया और कानून एवं न्याय विभाग के सचिव को इस बारे में निर्देश जारी किए। सीनियर एडवोकेट उज्ज्वल निकम ने भी इस मामले में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम करने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

केतन विग पहनता था, सिया को ये पहले ही पता था...

पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल मौत के मामले में अब विग एंगल सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने दावा किया कि शायी तय होने से पहले ही उन्होंने सिया गोयल के परिवार को बता दिया था कि उनका बेटा सिर पर छेला-सा विग पेश इस्तेमाल करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इतनी सी बात किसी की हत्या की वजह हो सकती है। इसी के साथ उन्होंने आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की।

क्राइम सीन रीक्रिएट करेगी पुलिस

केतन मर्डर केस में अब तक सात लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। वहीं मामले की गुथी सुलझाने के लिए पुणे ग्रामीण पुलिस अब लोहागढ़ फोर्ट पर घटनास्थल का क्राइम सीन रीक्रिएट करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, इसकी पूरी योजना तैयार कर ली गई है लेकिन पूरे ऑपरेशन को बेहद गोपनीय रखा गया है। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस यह समझने की कोशिश करेगी कि सिया और उसके प्रेमी चेतन ने पूरी वारदात को कैसे अंजाम दिया। जांच टीम यह भी देखेगी कि घटना के समय केतन, सिया और चेतन किस-किस जगह पर मौजूद थे, धक्का किस स्थिति में दिया गया और उसके बाद शव कितनी दूरी तक खाई में गिरा। इसके लिए डमी बॉडी का इस्तेमाल किया जाएगा।

पढ़े-लिखे युवा क्यों बदले की भावना वाले बन रहे हैं : सीएम फडणवीस

पुणे के लोहागढ़ किले में केतन अग्रवाल की हत्या के बाद, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि इस बात पर आत्म-मंथन करने की जरूरत है कि पढ़े-लिखे युवाओं में 'बदले की भावना और विकृत सोच' क्यों बढ़ रही है। फडणवीस ने शहर के दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और समझ से परे घटना है। एक समाज के तौर पर, हमें इस बात पर आत्म-मंथन करने की जरूरत है कि अच्छे परिवारों के पढ़े-लिखे युवाओं में ऐसी बदले की भावना और विकृत सोच क्यों पनप रही है। उन्होंने हिंसा की ऐसी चरम घटनाओं के कारणों पर सवाल उठाते हुए कहा- ‘मेरा मानना ​​है कि यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि एक सामाजिक मुद्दा भी है जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। समाज को एक मजबूत व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि युवा लड़के-लड़कियों में ऐसी बदले की भावना और विकृत सोच पैदा न हो। कुल मिलाकर, यह घटना बेहद दुखद और गंभीर है, और यह समाज की अंतरात्मा को झकझोर देती है।



महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में मचा घमासान

ठाकरे-फडणवीस की एक संग उड़ान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

पुरोगामी महाराष्ट्र की राजनीति ऐसे रसातल में पहुंच गई है कि दो अलग-अलग पार्टियों के नेताओं के मिलते ही अटकलों का तूफान-सा छा जा रहा है। शुक्रवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मौजूदा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक ही प्लेन में सफर किया है। दोनों नेता इंडिगो की फ्लाइट से मुंबई से नागपुर के लिए रवाना हुए। इस बार, दोनों नेता प्लेन में एक ही लाइन में दिखे। दोनों की सीटें एक ही लाइन में थीं। उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस एक ही लाइन में खिड़की वाली सीट पर बैठे दिखे। उनके बेटे और शिवसेना यूबीटी विधायक आदित्य ठाकरे उद्धव के बगल में बैठे थे। दोनों नेताओं की पार्टियों की तरफ से कहा जा रहा है कि यह जॉइंट फ्लाइट इतोफाक से हुई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपने तय प्रोग्राम के लिए नागपुर जा रहे थे। उद्धव ठाकरे ने ठाकरे सेना के अलग हुए सांसदों के चुनाव क्षेत्रों का दौरा शुरू कर दिया है। इसीलिए वे नागपुर जा रहे हैं। वहां से वे यवतमाल-वाशिम जाएंगे। इस चुनाव क्षेत्र के एमपी संजय देशमुख शिंदे सेना में शामिल हो गए हैं। उनके चुनाव क्षेत्र का दौरा उद्धव ठाकरे करेंगे। उद्धव ठाकरे चुनाव क्षेत्र के पदाधिकारियों और शिवसैनिकों से बातचीत करेंगे। फडणवीस और ठाकरे की इस संयुक्त यात्रा की चर्चा राजनीतिक गलियारों में चल रही है। शिवसेना यूबीटी प्रवक्ता सुषमा अंधारे ने इस पर कहा कि इस यात्रा को किसी चर्चे से न देखें। यह महज एक संयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राइवेट प्लेन और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके फ्यूल बर्बाद न करने की अपील की है। इसलिए अंधारे ने अस्पष्ट दिष्णगी की कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने इंडिगो प्लेन से यात्रा की होगी। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुधांशु मुनगंटीवार ने भी कहा कि यह यात्रा महज एक संयोग है।

'ऑपरेशन टाइगर' से लेकर 'चक्रव्यूह 2029' तक की चर्चा तेज

2029 के मोहरे फिट कर रहे हैं अमित शाह?

फडणवीस-ठाकरे की इस संयोगात्मक एक संग यात्रा से राजनीति के गलियारों में यह चर्चा चल रही है कि ऑपरेशन टाइगर को अमित शाह के इशारे पर अंजाम दिया गया। इसमें फडणवीस की रजामंदी होती, तो ठाकरे के छह सांसद बीजेपी में आते, न कि शिंदे की शिवसेना में। राजनीति के जानकारों का कहना है कि इन दिनों संघ और भाजपा के बीच शीतयुद्ध-सा चल रहा है। यूपी में राम मंदिर में चोरी का मामला सामने लाकर चंचल राय जैसे संघ के करीबियों को हाशिए पर धकेल दिया गया। वहीं मध्यप्रदेश में शाह के करीबी कहे जानेवाले सीएम मोहन यादव की जमीन खरीदी का घोटाला सामने लाकर शाह को झटका दिया गया। अमित शाह के इशारे पर ही ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे के टूटे सांसद बीजेपी के बजाय अलग-अलग पार्टियों में जा रहे हैं। ये सांसद बीजेपी में जाते तो सब कुछ सामान्य होता, लेकिन सांसदों का अन्य पार्टियों में जाना इस रणनीति का हिस्सा है कि 2029 की चुनावी जंग में ये सांसद पनबीड़े के रूप में अमित शाह का समर्थन करें।

शिंदे के संपर्क में उद्धव ठाकरे के 20 में से 16 विधायक?

कुछ दिन पहले आदित्य ठाकरे एक जन्मदिन पार्टी में फडणवीस के बेहद करीबी कहे जानेवाले मोहित कंबोज से मिले थे। इसकी खूब चर्चा हुई। लेकिन कुछ महीने में शिवसेना यूबीटी के छह सांसद टूटकर शिंदे के साथ चले गए हैं। आदित्य और कंबोज मिलन को लेकर हुई सारी चर्चा वहां ही गई है। अब फडणवीस और ठाकरे संयोग से एक ही प्लेन में सवार हो गए। लेकिन अब खबर जोर पकड़ रही है कि महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ऑपरेशन टाइगर होने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक कुछ दिनों पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के तीन से चार विधायकों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और 12 से 14 विधायक उनके साथ हैं और एक बड़ा गुट शिंदे के साथ आना चाहता है। हालांकि इस मुलाकात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं शिंदे खेमे के मंत्री उदय सामंत ने ऐसे किसी ऑपरेशन से इंकार किया है।

मीरारोड को मिली नई धार्मिक पहचान

जरीमरी झील पर स्थापित हुई 51 फीट ऊंची भगवान विठ्ठल की प्रतिमा

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा रोड निजन्ता एकादशी के पावन अवसर पर काशीमीरा स्थित जरीमरी झील परिसर में 51 फीट ऊंची भगवान विठ्ठल की भव्य प्रतिमा का अनावरण श्रद्धा और भक्ति के माहौल में किया गया। ताल-मुद्गं, अभंग, हरिनाम संकीर्तन और 'जय हरि विठ्ठल' के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने समारोह की भव्यता में चार चांद लगा दिए। यह प्रतिमा महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं मीरा- भायंदर के जनप्रतिनिधि प्रताप सरनाईक की परिकल्पना पर स्थापित की गई है। उनका उद्देश्य उन वारकरी श्रद्धालुओं को विठ्ठल दर्शन का अवसर उपलब्ध कराना है, जो विभिन्न कारणों से पंढरपुर की यात्रा नहीं कर पाते। इसी भावना के साथ 'भाव तिथे देव' की परंपरा को साकार करते हुए मीरा रोड में विठ्ठल का यह भव्य स्वरूप स्थापित किया गया।



मंत्री प्रताप सरनाईक ने क्या कहा?

■ समारोह के दौरान वारकरी भजन मंडलों ने पारंपरिक अभंग, हरिनाम संकीर्तन और कीर्तन की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे जरीमरी माता मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब गया। ताल, मुद्गं और झांझ की मधुर ध्वनि के बीच 'जय हरि विठ्ठल' के जयघोष लगातार गूँजते रहे। भगवान विठ्ठल की 51 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा के दर्शन करते ही अनेक श्रद्धालु भावुक हो उठे और श्रद्धा से नतमस्तक होकर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में उपस्थित वारकरी समाज के सदस्यों ने इसे आस्था और भक्ति का ऐतिहासिक क्षण बताया।

■ समारोह में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के पिछले लगभग 18 वर्षों से वारकरी समाज के लिए किए गए योगदान का भी विशेष उल्लेख किया गया। अखंड हरिनाम साहा, हरिपाठ, कीर्तन-प्रवचन, वारकरी शिक्षा संस्थानों को सहयोग, वारकरी भवनों के निर्माण, भजन सामग्री उपलब्ध कराने तथा सामुदायिक मंदिरों के विकास जैसे अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों में उनके सतत सहयोग की सराहना की गई।

हजारों श्रद्धालुओं की रही मौजूदगी

समारोह में शिवसेना के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, वारकरी समाज के प्रतिनिधि और हजारों श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरे परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि जरीमरी झील परिसर में स्थापित भगवान विठ्ठल की 51 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा भविष्य में मीरा-भायंदर की नई धार्मिक पहचान बनेगी। उनका मानना है कि यह स्थल वारकरी श्रद्धालुओं और अन्य भक्तों के लिए प्रमुख आस्था केंद्र के रूप में विकसित होगा तथा धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।

विरार में एक ही रात में दो भीषण आग

इंडसइंड बैंक और लकड़ी का गोदाम जलकर खाक

हिंदमाता संवाददाता @ वसई विरार में गुरुवार देर रात और शुक्रवार तड़के दो अलग-अलग स्थानों पर भीषण आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। पहली आग विरार पूर्व स्थित इंडसइंड बैंक की शाखा में लगी, जबकि दूसरी घटना विरार पश्चिम के एक लकड़ी के गोदाम में हुई। दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। हाल के दिनों में लगातार सामने आ रही आगजनी की घटनाओं से स्थानीय नागरिकों में भय का माहौल है।

बैंक में तेजी से फैली आग
पहली घटना विरार पूर्व के पिंपलवाडी स्थित पुष्प प्लाजा शॉपिंग सेंटर में गुरुवार रात करीब 11:35 बजे हुई। यहां पहली मंजिल पर स्थित इंडसइंड बैंक की शाखा में अचानक आग लग गई। स्थानीय नागरिक अनिकेत येलाचे ने तत्काल इसकी सूचना फुलपाड़ा उप-अग्निशमन केंद्र को दी। बैंक के अंदर लकड़ी के फर्नीचर और अलमारियों में आग लगने से धुआं तेजी से फैल गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आवाले मुख्य अग्निशमन केंद्र से भी अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। दमकल कर्मियों ने बैंक की खिड़कियों के शीशे तोड़कर धुआं बाहर निकाला और पानी की बीछार कर करीब द्राई बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

ई-बस में भीषण आग

हिंदमाता संवाददाता @ वसई वसई-विरार शहर महानगरपालिका परिसर में दोपहर लगभग 2:30 बजे एक इलेक्ट्रिक बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बस जलकर खाक हो गई। घटना की सूचना मिलते ही महानगरपालिका का दमकल विभाग तुरंत हरकत में आया और घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि बस को भारी नुकसान पहुंचा था।



हिंदमाता एंकरः केमिकल वाले पानी से महिलाओं को भी मिसकैरिज की शिकायत

पनवेल में जहरीला पानी पीने से 7 गायों की मौत और 19 बीमार



हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल पनवेल में प्रदूषण का ऐसा भयावह चेहरा सामने आया है जिसने 'गैमाता' और 'माताओं' दोनों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि डीपिंग ग्राउंड से निकलने वाला केमिकल युक्त और दूषित पानी तालाबों व जलस्रोतों में मिल रहा है, जिसके चलते एक घंटे के भीतर 7 गायों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य गायें विषबाधा का शिकार हुईं।

जहरीले पानी से इंसानों की सेहत पर भी गंभीर असर

स्थानीय लोगों का दावा है कि यही जहरीला पानी इंसानों की सेहत पर भी गंभीर असर डाल रहा है। महिलाओं में मिसकैरिज के मामलों में बढ़ोतरी और कैंसर जैसी बीमारियों की शिकायतें सामने आ रही हैं। हैरानी की बात यह है कि यह मुद्दा विपक्ष ने नहीं बल्कि सत्ताधारी बीजेपी की विधायक किरांति पाटिल ने विधान परिषद में उठाया।

भाजपा विधायक ने ही प्रशासन पर उठाए सवाल

पनवेल से जुड़े विकास पाटिल ने आरोप लगाया कि सिडको प्रशासन की लापरवाही के कारण डंपिंग स्टेशन में खतरनाक रासायनिक कचरा डाला जा रहा है। उन्होंने सदन में मुद्दा गायों की तस्वीरें और पानी की जांच रिपोर्ट भी पेश की। उनका दावा है कि जांच में प्रदूषण के स्तर कई गुना अधिक पाए गए और पानी में ऑक्सीजन की मात्रा लगभग शून्य थी, यानी यह पानी जहर में तब्दील हो चुका है।

यूबीटी और कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार को घेरा

इस मुद्दे पर अब राजनीति भी तेज हो गई है। शिवसेना और कांग्रेस ने सरकार को घेरते हुए कहा कि बीजेपी गैमाता के नाम पर राजनीति तो करती है, लेकिन जब महाराष्ट्र में प्रदूषित पानी से गायों की मौत हो रही है और महिलाओं का स्वास्थ्य खतरे में है, तब सरकार की जवाबदेही कहाँ है? विपक्ष का आरोप है कि महाराष्ट्र में न गैमाता सुरक्षित है और न ही माताएं।

महाराष्ट्र के मंत्रियों ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

वहीं, सरकार ने मामले को गंभीर बताते हुए कार्रवाई का भरोसा दिया है। रायगढ़ के ही मंत्री भरत गोहावले ने कहा कि उद्योग मंत्री ने तत्काल जांच और प्रदूषण रोकने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पर्यावरण मंत्री पंकज मुंडे ने भी माना कि यह बहु-विभागीय मामला है और इसमें पर्यावरण, शहरी विकास, सिविल तथा जल संरक्षण विभागों को मिलकर काम करना होगा। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

जहरीले पानी से पशुओं और इंसानों की सेहत पर असर

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर पानी वास्तव में इतना जहरीला है कि उससे पशुओं की मौत हो रही है और इंसानों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है, तो जिम्मेदार कौन है? और क्या तीसरी मुर्दाई के सपने दिखाने वाले पनवेल में रहने वाले लोगों को स्वच्छ पानी और सुरक्षित वातावरण मिल पाएगा? फिलहाल जनता कार्रवाई का इंतजार कर रही है, लेकिन अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह मुद्दा सड़को से लेकर विधानसभा तक और बड़ा राजनीतिगत तूफान खड़ा कर सकता है।

ठाणे में युवा उद्यमी की अनूठी पहल

● शादी में खर्च करने की जगह नेत्रहीनों के लिए रोजगार पर किया खर्च

हिंदमाता संवाददाता @ अंबरनाथ ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में गरीब तबके के नेत्रहीनों के बीच कार्यरत संस्था इंडियन मल्टी पर्पज ट्रस्ट फॉर द ब्लाइंड अंबरनाथ अपने रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जन सहयोग के माध्यम से नेत्रहीनों के लिए एक व्यावसायिक कार्यशाला शुरू की है। इस कार्यशाला में लगभग दस लोगों को रोजगार मुहैया होगा।



कार्यक्रम में इनकी उपस्थिति

उक्त संस्था एक धर्मार्थ संस्था है जो अंबरनाथ, बदलापुर, वांगणी में दृष्टिबाधित लोगों के लिए कार्य कर रही है। इसकी स्थापना स्वर्गीय राजेश अग्रवाल द्वारा बखूबी किया जा रहा है। हर्ष दोशी मुंबई के निवासी हैं और एक युवा उद्यमी हैं जो दक्षिण मुंबई में रहते हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन में पवास से अधिक लोगों ने भाग लिया। आईएमपीटी की

अध्यक्ष डॉली अग्रवाल और उपाध्यक्ष सुमित्रा मार्टिन के साथ अन्य समिति सदस्य निशा अग्रवाल, आर्यन अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, अविनाश शेलार, प्रवीण अमोडे, मयूर अमोडे और रितेश दोशी, हर्ष दोशी और उनका परिवार, साथ ही डांस किंगडम की पूरी टीम भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं। उनके सहयोग और समर्थन से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

21 साल बाद हत्यारा गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच कक्ष-2 की बड़ी कार्रवाई, हत्या का मामला सुलझा

हिंदमाता संवाददाता @ वसई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच कक्ष-2 ने 21 वर्ष पुराने हत्या के मामले का खुलासा करते हुए फरार आरोपी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वर्ष 2005 में अपने ही मित्र की हत्या कर फरार हो गया था और कई वर्षों तक पहचान छिपाकर रह रहा था। विरार पुलिस स्टेशन में 27 दिसंबर 2005 को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 201 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता रत्नाकर शंकर चव्हाण ने अपने चचेरे भाई दिलीप तुकाराम चव्हाण की हत्या की शिकायत दर्ज कराई थी।



तकनीकी जांच से मिला सुराग

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर क्राइम ब्रांच कक्ष-2 ने पुराने मामले की दोबारा जांच शुरू की। शिकायतकर्ता, प्रत्यक्षदर्शियों और घटनास्थल के आसपास के लोगों से दोबारा पूछताछ की गई। तकनीकी विशेषण और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पता चला कि आरोपी उत्तर प्रदेश के अपने पैतृक गांव में छिपा हुआ है। इसके बाद विशेष टीम ने प्रयागराज जिले के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के हलौलग-मनोरी गांव में दबिश देकर 25 जून 2026 को आरोपी राजेश सुरेश सोनकर (41) को गिरफ्तार कर लिया।

रंजिश में की थी हत्या

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और मृतक घनिष्ठ मित्र थे तथा अनार्ली के एक होटल में साथ काम करते थे। आरोपी को शक था कि उसकी पत्नी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में मृतक ने आरोपी की मदद की थी। इसी रंजिश में उसने अपने मित्र की हत्या कर दी। वारदात के बाद वह पहले 5-6 वर्ष लखनऊ में रहा और पिछले करीब 15 वर्षों से प्रयागराज में पहचान छिपाकर ई-रिश्वा चलाकर जीवनयापन कर रहा था।

विशेष टीम की कार्रवाई
यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कोशिक, अपर पुलिस आयुक्त संजय शिंदे, पुलिस आयुक्त (अपराध) सदीप रोडफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाळ के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक अविराज कुराडे के नेतृत्व वाली क्राइम ब्रांच कक्ष-2 और साइबर पुलिस की संयुक्त टीम ने की।

13 साल बाद हत्यारोपी गिरफ्तार, पुराना मामला सुलझा

मीरा-भायंदर पुलिस की अपराध शाखा ने तमिलनाडु से फरार आरोपी को दबोचा

हिंदमाता संवाददाता @ वसई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस की अपराध शाखा (यूनिट-2) ने 13 वर्ष पुराने हत्या के मामले का खुलासा करते हुए वर्ष 2013 से फरार चल रहे आरोपी को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है।



तकनीकी विशेषण और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया, जिसे अपराध शाखा की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

हत्या के बाद हुआ था फरार
पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर 2013 को वालीव पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 326 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने एफआईआर में आरोपी मोहम्मद अजमल मोहम्मद मंसूरी अंसारी का नाम दर्ज कराया था। घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था।

तमिलनाडु से गिरफ्तारी
तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के मिन्नूर से 24 जून 2026 को मोहम्मद अजमल मोहम्मद मंसूरी अंसारी उर्फ 'पोफन' (43) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सास द्वारा नवजात बेटे से मिलने नहीं देने की रंजिश में उसने हत्या की थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह कोलकाता, तमिलनाडु और पंजाब में छिपा रहा तथा पिछले पांच वर्षों से चेन्नई में नई पहचान बनाकर रह रहा था।

पार्किंग विवाद में किशोर पर चाकू से हमला

हिंदमाता संवाददाता @ वसई विरार पूर्व के कारगिल नगर स्थित महाकाली अपार्टमेंट में वाहन पार्किंग को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद कुछ युवकों ने 15 वर्षीय किशोर के साथ मारपीट की और उस पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशोर को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।



सीसीटीवी में कैद हुई वारदात
यह घटना 22 जून को डोंगरी गणेश चौक स्थित महाकाली अपार्टमेंट परिसर में हुई। बताया गया कि पार्किंग को लेकर पहले विवाद हुआ, जिसके बाद कुछ युवकों के समूह ने किशोर पर हमला कर दिया। पूरी घटना इमारत में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

दोनों पक्षों पर मामला दर्ज
विरार पुलिस के अनुसार, पार्किंग विवाद के दौरान इमारत में दो गुट आमने-सामने आ गए थे। मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ती गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

मासूम से दुष्कर्म का आरोपी दो घंटे में गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी भिवंडी के काशेली क्षेत्र में 10-11 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है। आरोपी ने बच्ची को खाने का लालच देकर अपने किराये के कमरे में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद नारपोली पुलिस ने तेजी दिखाते हुए मामला दर्ज होने के महज दो घंटे के भीतर 18 वर्षीय आरोपी अकिंत गिरी को गिरफ्तार कर लिया। घटना से पूरे इलाके में भारी आक्रोश व्याप्त है।

परिजनों ने कराई शिकायत दर्ज
पुलिस के अनुसार, पीड़िता अपने छोटे भाई के साथ बिल्डिंग के नीचे खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी अकिंत गिरी वहां पहुंचा और दोनों बच्चों को खाने का लालच दिया। उसने बच्ची के भाई को 50 रुपये देकर पानी की बोतल लाने भेज दिया। भाई के जाते ही आरोपी मासूम को बहला-फुसलाकर तीन-चार इमारत दूर स्थित अपने किराये के कमरे में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। शाम को घर लौटने पर बच्ची ने परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार तत्काल नारपोली पुलिस स्टेशन पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

लोगों में आक्रोश
घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक देर रात नारपोली पुलिस स्टेशन के बाहर एकत्र हो गए। लोगों ने आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। पुलिस ने लोगों को शांत रहने की अपील करते हुए निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

डीसीपी का बयान
पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बंसोड ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 64(1), 64(2), 65(2) तथा पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6, 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता का अस्पताल में उपचार जारी है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर है, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर सर्जरी की जा सकती है। उन्होंने बताया कि स्थानीय दुकानदार और डायल-112 से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। साथ ही बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्कूलों-कॉलेजों में जागरूकता अभियान तथा बीट पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है।

शॉर्ट स्टोरी

गर्भवती महिला के दिमाग से दुर्लभ द्युमर निकाला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई जसलोक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के डॉक्टरों ने सात महीने की गर्भवती 24 वर्षीय महिला के दिमाग से एक अत्यंत दुर्लभ द्युमर सफलतापूर्वक निकालकर मां और अजन्मे बच्चे, दोनों की जान बचाई। महिला दाईं आंख में सूजन और दोहरी दृष्टि की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची थी। जांच में पता चला कि द्युमर आंख के पीछे से खोपड़ी के भीतर तक फैला चुका था और उसके कैसरकारी होने की आशंका थी। महिला की गर्भावस्था को देखते हुए न्यूरोसर्जरी, स्त्री रोग और एनेस्थीसिया विशेषज्ञों की संयुक्त टीम गठित की गई। जोखिम और लाभ का आकलन करने के बाद गर्भावस्था के दौरान ही सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन के दौरान भ्रूण की लगातार निगरानी की गई और विशेष एनेस्थीसिया तकनीक का उपयोग किया गया। सर्जरी सफल रही और द्युमर पूरी तरह निकाल दिया गया। बाद में बायोप्सी रिपोर्ट में यह द्युमर गैर-कैंसरकारी कैपिलरी हेमांजियोमा निकला, जो इस स्थान पर बेहद दुर्लभ माना जाता है। 18 महीने से अधिक समय तक चिकित्सकीय निगरानी के बाद भी बीमारी दोबारा नहीं लौटी है। अस्पताल के अनुसार, मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। यह मामला गर्भावस्था के दौरान समय पर पहचान, विशेषज्ञों के समन्वय और आधुनिक चिकित्सा तकनीक की सफलता का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है।



राम मंदिर में पारदर्शिता की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर अयोध्या के भगवान श्रीराम मंदिर में कथित अनियमितताओं और चोरी को लेकर चल रही वचाओं के बीच सिंधी समुदाय ने मंदिर प्रशासन से पारदर्शिता बरतने की मांग की है। शिवसेना नेता एवं पूर्व नगरसेवक मनोज लासी ने कहा कि वर्ष 2024 में देशभर के सिंधी समुदाय ने अपनी आस्था के प्रतीक स्वर्ण मंदिर निर्माण समिति को करीब 210 चांदी की ईंटें भेंट की थीं, जिनकी वर्तमान कीमत लगभग छह करोड़ रुपये बताई जाती है। मनोज लासी ने कहा कि हाल के दिनों में चांदी और अन्य सामग्रियों से जुड़ी विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के बाद समुदाय के मन में कई सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए दान की गई 210 चांदी की ईंटों की वर्तमान स्थिति और उनके उपयोग की जानकारी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि इस संबंध में कोई जांच चल रही है तो उसमें इन ईंटों का विवरण भी स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए, ताकि देशभर के श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे।

28 जून को पल्स पोलियो अभियान
हिंदमाता संवाददाता @ विरार भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार 28 जून 2026 को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। अभियान के लिए महानगरपालिका ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शहरभर में 966 पोलियो वृ्ध सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आननवाडियों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बनाए गए हैं। वहीं, यात्रा कर रहे बच्चों तक पहुंचने के लिए 95 ट्रॉलर टीमें तथा 32 मोबाइल टीमें रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, नाकों और निर्माण स्थलों सहित विभिन्न स्थानों पर तैनात रहेंगी। जो बच्चे 28 जून को टीकाकरण से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 29 जून से 3 जुलाई तक घर-घर जाकर पोलियो की खुशक पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि भारत पोलियो मुक्त होने के बावजूद पड़ोसी देशों में वायरस सक्रिय है। इसलिए पहले से टीका लगावा चुके सभी बच्चों को भी 28 जून को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं।

नशा मुक्ति के लिए जागरूकता रैली

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर विश्व नशा विरोधी दिवस के अवसर पर विठ्ठलवाडी पुलिस थाना ने उपाय शहर अपराध शाखा के निर्देशानुसार नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत उल्हासनगर-4 स्थित विकास मंदिर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के बाद विद्यार्थ्य से फुले कॉलोनी, भीम कॉलोनी, रमाबाई आंबेडकर नगर, पूज्य पंवायत हॉल, ओ.टी. चौक होते हुए विठ्ठलवाडी पुलिस थाना परिसर तक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में 350 से अधिक विद्यार्थियों तथा आठ शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने नशे के दुष्परिणामों से संबंधित संदेश और नारों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया। प्रतिभागियों ने युवाओं से मददक पदार्थों से दूर रहने और स्वस्थ, सुरक्षित व नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आ'न किया। अभियान को स्थानीय नागरिकों का भी सकरात्मक समर्थन मिला।



आदिवासी जमीन विवाद गरमाया

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता पर स्थानीय आदिवासियों और भूमिपुत्रों की जमीन हड़पने तथा उन्हें फसाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ओबला-माजीगाडा विधानसभा क्षेत्र के वरसावे गांव के कई आदिवासियों ने उनसे शिकायत की है कि उनकी जमीन जबर्न कब्जाई गई है। मामले को गंभीर मानते हुए राज्य मंत्री चंद्रशेखर बानुनकुले ने जांच के आदेश दिए हैं। सरनाईक ने दावा किया कि आदिवासियों की जमीन हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और करीब 23 लोगों के साथ धोखाधड़ी हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ आदिवासियों को अपनी जमीन देखने जाने पर बंधक भी बनाया गया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं, भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि शिकायतकर्ताओं ने अपनी शिकायत वापस ले ली है और उनका किसी से कोई विवाद नहीं है। इस मुद्दे को लेकर दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक टकराव और तेज हो गया है।

मानसून के लिए मध्य रेल तैयार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई मध्य रेल ने मानसून 2026 के दौरान सुरक्षित और निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुंबई मंडल में जलभराव की आशंका वाले 117 स्थानों की पहचान कर वहां 12.5 से 100 एचपी क्षमता के 210 भारी जल निष्कासि पंप तैनात किए गए हैं। साखी ही नालियों, पुर्तियों और जलमगों की व्यापक सफाई कराई गई है। मध्य रेल ने बाढ़ प्रभावित 18 प्रमुख स्थानों पर विशेष कार्य शुरू किए हैं, जिनमें छह स्थानों का काम पूरा हो चुका है। ठाणे में 5.50 करोड़ रुपये की लागत से माइक्रो टनलिंग परियोजना पूरी होने से स्टेशन पर जलभराव की खों पुरानी समस्या के समाधान की उम्मीद है। घाट खंडों में भूस्खलन और वृद्धन गिरने से बचाव के लिए आधुनिक सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। मध्य रेल ने बताया कि नगर निगमों के साथ समन्वय कर संयुक्त निरीक्षण और मानसून पूर्व बैटके आयोजित की गई हैं। इन तैयारियों का उद्देश्य भारी बारिश के दौरान लाखों यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

चौमे आशूरा पर निकला मातमी जुलूस

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी मोहर्रम की 10वीं तारीख 'चौमे आशूरा' के अवसर पर शुक्रवार को भिवंडी में शिया समुदाय द्वारा पारंपरिक मातमी जुलूस श्रद्धा, अनुशासन और धार्मिक आस्था के साथ निकाला गया। हजारों अकीदतमंदों ने हजरत इमाम हुसैन और कंकला के शहीदों को खिराज-ए-अकीद पेश करते हुए 'या हुसैन' की सदाओं के बीच मातम किया। दोपहर में शांतिनगर स्थित सलाहूदीन स्कूल के सामने इमामबाई से पहला और गौरीनगर से पूर्व नगरसेवक अब्बास अंसारी के नेतृत्व में दूसरा जुलूस निकला। दोनों जुलूस आरंभ टांकीज के पास एकत्र हुए, जहां से तांजिए, अलम और धार्मिक प्रतीकों के साथ जकात नाका मार्ग होते हुए एसटी स्टैंड के समीप स्थित शिया कब्रिस्तान तक पहुंचे। मार्ग में कई स्थानों पर मजलिस और तकरीर का आयोजन भी किया गया।



क्या आप अपने पति की चार शादियां करवाएंगी?

सना मलिक के बयान पर शाइना एनसी का तीखा सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र में एनसीपी (अजित पवार गुट) की विधायक सना मलिक द्वारा तीन तलाक और बहुविवाह के मुद्दे पर कुरान व पाकिस्तान के कानूनों का हवाला देने के बाद शुरू हुआ सियासी घमासान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस विवाद में शिवसेना (शिंदे गुट) की वरिष्ठ नेता और मुख्य प्रवक्ता शाइना एनसी को एंट्री हो गई है। शाइना एनसी ने सना मलिक के इस बयान को प्रतियामी और महिलाओं के अधिकारों का हनन बताते हुए उन पर बेहद तीखे और व्यक्तिगत सवाल दागे हैं। शाइना एनसी ने दो टूक कहा कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि और बाबासाहेब आंबेडकर का भारत है, जहां किसी भी तरह की तालिबानी मानसिकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत संविधान से चलता है, धर्म ग्रंथों पर आधारित कानून से नहीं।

क्या आप खुद अपने पति की चार शादियां होने देंगी?

सना मलिक के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शिवसेना नेता शाइना एनसी ने उनसे सीधा सवाल पूछा, ‘मैं सना मलिक से पूछना चाहती हूं कि अगर कल को आपके पति चार महिलाओं से शादियां करने की इच्छा जताएं, तो क्या आप उन्हें इसकी लिखित अनुमति देंगी? क्या आपको यह व्यावहारिक रूप से मंजूर होगा?’ उन्होंने आगे कहा कि जब एक महिला विधायक ही सदन में खड़े होकर बहुविवाह जैसी प्रथाओं का बचाव करती है, तो आधुनिक समाज में जेंडर इक्वालिटी (लैंगिक समानता) और महिला सशक्तिकरण की बातें बेमानी हो जाती हैं। यह टिप्पणी देश की प्रगतिशील महिलाओं का अपमान करने जैसी है।

‘सभी धर्मों को मिले समान न्याय, इसलिए जरूरी है यूसीसी

समान नागरिक संहिता की वकालत करते हुए शाइना एनसी ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य किसी भी समुदाय को निशाना बनाना नहीं, बल्कि न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जब हम समाज नागरिक संहिता की बात करते हैं, तो हमारा एकमात्र लक्ष्य होता है कि देश की हर बेटों को सुरक्षा मिले, चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई। देश ठुठिकरण की राजनीति से नहीं बल्कि समान अधिकारों से आगे बढ़ेगा। दूसरी तरफ, चीतरफा धिरने के बाद विधायक सना मलिक ने अपनी सफाई में कहा है कि उनके बयान को पूरी तरह से संदर्भ से हटाकर पेश किया जा रहा है। उन्होंने बस बीजेपी विधायक देव्यानी फरांडे द्वारा पाकिस्तान का संदर्भ दिए जाने के बाद अपना धार्मिक और कानूनी पक्ष रखा था।

गंभीर अनियमितताओं पर एफडीए ने दो ब्लड बैंक को बंद कराया

दोनों संस्थानों की सभी गतिविधियों पर तत्काल रोक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने रक्त संग्रहण और वितरण व्यवस्था में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद मुंबई के सर जेजे म्युनिसिपल ब्लड बैंक और बदलापुर स्थित माया ब्लड सेंटर को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई 22 से 24 जून 2026 के बीच राज्य के एफडीए और केंद्रीय औषधि मानक निंत्रण संगठन के अधिकारियों द्वारा किए गए संयुक्त निरीक्षण के बाद की गई। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, जांच के दौरान सर जेजे म्युनिसिपल ब्लड बैंक में रक्त और रक्त घटकों के भंडारण तथा नियंत्रण में गंभीर कमियां सामने आईं। निरीक्षण में रीफ्रिज्टव और एक्सपायर्ड रक्त यूनिटों के रखरखाव में लापरवाही, बायो-हैजर्ड्स सामग्री के उचित निपटान में कमी, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की खामियां, उपकरणों के खराब रखरखाव और आवश्यक स्टरलाइजेशन नियंत्रण का अभाव पाया गया। अधिकारियों ने इसे मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना, जिसके बाद कई और जगहों पर जांच की गई और सुरक्षा के मानक पर नहीं उतरा। वहीं, बदलापुर के माया ब्लड सेंटर में निरीक्षकों को ब्लड डोनेशन कैप्सों से एकाग्रित रक्त के परिवहन का रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके अलावा ब्लड बैग की ट्रेसिबिलिटी में कमी, ट्रांसस्प्यूजन्त अधिकारियों और आवश्यक तकनीकी कर्मचारियों की अनुपस्थिति, उपकरणों के एक्सपायर्ड प्रमाणपत्र, गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षणों की अनदेखी, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट में गड़बड़ी तथा रक्तदान शिविरों के लिए आवश्यक अनुमतियों और रिकॉर्ड का अभाव भी सामने आया।

सभी गतिविधियों पर रोक

इन गंभीर खामियों को देखते हुए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने दोनों संस्थानों को अगले आदेश तक रक्त संग्रह, ब्लड कंपोनेंट तैयार करने, परीक्षण, भंडारण, वितरण, बिक्री और रक्तदान शिविर आयोजित करने सहित सभी गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, दोनों संस्थानों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं तथा उनके खिलाफ ड्रम्स एंड कॉम्पेटिटिव एक्ट, 1940 और ड्रम्स एंड कॉम्पेटिटिव्स रूल्स, 1945 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

हिंदमाता एंकर: **आशा वर्कर और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को मिलेगा राज्य बीमा योजना का लाभ**

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली आशा स्वयंसेविकाओं और अल्प आय वाले कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार इन सभी कर्मट कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों का सामाजिक सुरक्षा कवच देने के लिए ‘राज्य कामगार बीमा योजना’ लागू करने की तैयारी में है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आंबेडकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे राज्य में 21,000 प्रति माह से कम कमाने वाले आशा वॉलंटियर्स और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के लिए ‘राज्य कर्मचारी बीमा योजना’ का दायरा बढ़ाने का प्रस्ताव तुरंत पेश करें। इस प्रस्ताव का मकसद ऐसे हजारों कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ पहुंचाना है।



एकनाथ शिंदे के ऑफर को मारी लात!

• कांग्रेस छोड़ शिवसेना में जाने का विजय वडेड़ीवार का नहीं है प्लान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

‘ऑपरेशन दाइगर’ के तहत शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों को अपने पाले में करने के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने अब विपक्षी खेमे कांग्रेस में बड़ी संंधमारी की तैयारी शुरू कर दी है। राजनीतिक गलियारों में पिछले कुछ दिनों से यह अफवाह बेहद गर्म थी कि विदर्भ में कांग्रेस का बड़ा चेहरा और वरिष्ठ विधायक विजय वडेड़ीवार जल्द ही हाथ का साथ छोड़कर पाला बदल सकते हैं और शिंदे सेना में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों के बाद राज्य की राजनीति में मचे हड़कंप के बीच अब खुद विजय वडेड़ीवार ने सोशल मीडिया पर सामने आकर अपनी चुप्पी तोड़ी है और पूरी स्थिति स्पष्ट की है। वडेड़ीवार ने शिंदे गुट में शामिल होने की खबरों को पूरी तरह से निराधार और मनगढ़ंत बताते हुए इसे कांग्रेस को बदनाम करने की एक राजनीतिक शरारत करार दिया है। उनका कहना है कि शिंदे गुट इस तरह की खबरें फैला कर जनता का ध्यान असली मुद्दे से भटकना चाहता है।



जनता के बुनियादी मुद्दों से ध्यान

भटकाने के लिए उड़ाई जा रही हैं अफवाहें

महायुती सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए वडेड़ीवार ने कहा कि आज महाराष्ट्र की जनता कई गंभीर संकटों से जूझ रही है। राज्य के किसान बद्रहाल हैं, बेरोजगारी और महंगाई वरम पर हैं, कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और महिलाएं असुरक्षित हैं। सरकार बुनियादी ढांचे के विकास में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जब मैं एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के नाते इन जनविरोधी नीतियों और सरकार की विफलताओं पर विधानसभा में आवाज उठाता हूं, तो सत्ताधारी दल के लोग बीखला जाते हैं। जनता का ध्यान भटकाने के लिए और मुझे व्यक्तिगत रूप से बदनाम करने के लिए यह पूरा प्रपंच रचा जा रहा है, ताकि असली मुद्दों को दबाया जा सके।

दाऊद को मारने की साजिश का खुलासा

मत्स्यगंधा नाव से दुबई भेजे गए थे दो शार्प शूटर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



अंतरराष्ट्रीय अतंकवादी घोषित दाऊद इब्राहिम की हत्या के लिए केवल छोटा राजन ने ही प्रयास नहीं किया था, बल्कि उससे पहले भी उसे खत्म करने की एक गुप्त साजिश रची गई थी। जांच से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, दाऊद को मारने के उद्देश्य से ‘मत्स्यगंधा’ नामक नाव के जरिए दो शार्प शूटर दुबई भेजे गए थे। हालांकि दाऊद का सटीक ठिकाना नहीं मिलने के कारण यह मिशन असफल रहा।

कुमार पिल्ले की भूमिका

इस मामले का खुलासा भारत में नौ वर्ष जेल की सजा तक चुके गैंगस्टर कुमार पिल्ले से जुड़ी जांच के दौरान हुआ। हाल ही में उसे हांगकांग वापस भेज दिया गया है। अपराध अन्वेषण विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, दाऊद का पता लगाकर उसकी हत्या की योजना बनाने में कुमार पिल्ले की अहम भूमिका थी। लेकिन दाऊद तक पहुंच न होने के कारण पूरी योजना विफल हो गई।

हांगकांग लौटना चुना

सूत्रों के अनुसार, कुमार पिल्ले ने जांच अधिकारियों से कहा है कि अब वह सामान्य जीवन जीना चाहता है। उसने भारत के बजाय हांगकांग लौटना इसलिए पसंद किया क्योंकि वह वहां की नागरिकता प्राप्त कर चुका है। भारत में उसके खिलाफ केवल तीन मामलों में मुकदमा चलाने की अनुमति थी। अब यह जांच एजेंसियां अन्य मामलों में कार्रवाई करना चाहेंगी, तो उन्हें नहीं कानूनी अनुमति लेनी होगी।

शहीद परिवारों को बड़ी राहत

कृषि भूमि हस्तांतरण पर स्टाम्प ड्यूटी पूरी तरह माफ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने शहीद सैनिकों के परिवारों को बड़ी राहत देते हुए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया कि राज्य में शहीद जवानों और अधिकारियों की वीर माताओं, वीर पत्नियों अथवा अन्य अधिकृत उत्तराधिकारियों के नाम पर कृषि भूमि हस्तांतरित करते समय लगाने वाला मुद्रांक शुल्क (स्टाम्प ड्यूटी) पूरी तरह माफ किया जाएगा। राज्य के महसूल मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधान भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि शहीद परिवारों को सम्मान और आर्थिक राहत प्रदान करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब शासन द्वारा उदरनिर्वाह के लिए प्रदान की जाने वाली कृषि भूमि को वीर माता, वीर पत्नी या अन्य अधिकृत वारिसों के नाम करने के लिए किसी भी प्रकार का मुद्रांक शुल्क नहीं देना होगा। इससे शहीद परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें सीधे लाभ मिलेगा।

पद या सत्ता के लिए विचारों से समझौता नहीं करूंगा

अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर विरोधियों को करारा जवाब देते हुए विजय वडेड़ीवार ने लिखा, ‘मैं कांग्रेस पार्टी का एक निष्ठावान और वफादार कार्यकर्ता हूं। पार्टी ने मुझे जो भी जिम्मेदारी दी है, मैंने उसे हमेशा पूरी ईमानदारी से निभाया है। मेरे शिंदे समूह में शामिल होने, किसी नेता से मुलाकात करने की खबरें पूरी तरह से निराधार और काल्पनिक हैं। कुछ लोग जानबूझकर भ्रामक अफवाह फैला रहे हैं। पद, प्रतिष्ठा या सत्ता के लालच में आकर अपने वैचारिक सिद्धांतों से समझौता करने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।’ वडेड़ीवार ने कुछ मीडिया घरानों पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि बिना किसी तथ्य के ऐसे सवाल पूछना पत्रकारिता नहीं, बल्कि राजनीतिक शरारत है।

वडेड़ीवार आएंगे तो सबसे ज्यादा खुशी होगी

दूसरी तरफ, शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने इस पुरे विवाद पर भी डालने का काम किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब पत्रकारों ने उनसे वडेड़ीवार के प्रवेश को लेकर सवाल पूछा, तो उन्होंने कहा, ‘विजय वडेड़ीवार हमारे बहुत अच्छे दोस्त हैं और वे एकनाथ शिंदे साहब के भी बेहद करीबी हैं। हालांकि, उन्होंने पार्टी में शामिल होने को लेकर हमसे सीधे कोई चर्चा नहीं की है। लेकिन वडेड़ीवार विदर्भ के एक बेहद कड़ावर और जन-आधारित नेता हैं। अगर वे भविष्य में कभी भी शिंदे साहब के साथ आकर विकास कार्यों में हाथ बंटाने का फैसला करते हैं, तो मुझे व्यक्तिगत रूप से सबसे ज्यादा खुशी होगी। उदय सामंत के इस बयान के बाद स्पष्ट है कि महायुती की नजर अभी भी विपक्ष के असतुष्ट नेताओं पर टिकी हुई है।

एलिफेंटा में मिले दो ताम्रपत्र

डेढ़ हजार साल पुराने इतिहास पर नई रोशनी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के घारापुरी (एलिफंटा) द्वीप के मोरारबंदर क्षेत्र में हुए उत्खनन के दौरान करीब 150 वर्ष बाद दो प्राचीन ताम्रपत्र मिले हैं। ये ताम्रपत्र सातवीं और आठवीं शताब्दी के चालुक्य तथा त्रैकूटक राजवंशों से संबंधित बताए जा रहे हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि इन अभिलेखों से प्राचीन शिलालेखों में वर्णित ‘पुरी’ या ‘अनिरुद्रपुर’ का संबंध घारापुरी से होने की परिकल्पना को मजबूत आधार मिला है।



व्यापारिक केंद्र होने के प्रमाण

उत्खनन में ताम्रपत्रों के अलावा कई प्राचीन संरचनाएं और पुरावशेष भी मिले हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि घारापुरी कई शताब्दियों तक एक महत्वपूर्ण बंदरगाह तथा व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र रहा था। यह उत्खनन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और गुणे के उदकन अभिमत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इससे पहले यहां लगभग 1,500 वर्ष पुराने पथर और ईंटों से बने सीढ़ीदार जलाशय की भी खोज हो चुकी है।

कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड की दुर्गंध पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नाराजगी

कहा- मानकों का सख्ती से हो पालन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि पूर्वी मुंबई स्थित कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड से उठने वाली दुर्गंध और खतरनाक गैसों के उत्सर्जन से जुड़ी शिकायतों के मामले में बीएमसी और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) की पूरी व्यवस्था अब सक्रिय हो चुकी है तथा दोनों एजेंसियां समस्या की प्रकृति और कारणों से पूरी तरह अवगत हैं। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण अनुपालनों को अभी भी प्रभावी ढंग से लागू किया जाना बाकी है, क्योंकि कुछ अवसरों पर दुर्गंध और प्रदूषण की शिकायतें अब भी सामने आ रही हैं।



अदालत नियमों का सख्ती से पालन का देगी आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि यदि निर्धारित मानकों का पूरी सावधानी और सख्ती से पालन किया जाए तथा विशेष उपाय लागू किए जाएं, तो विशेषकर मौजूदा मानसून के दौरान लोगों को निश्चित रूप से राहत मिल सकती है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की उस शिकायत को भी दर्ज किया, जिसमें कहा गया कि डंपिंग साइट पर 24 घंटे प्रभावी निगरानी नहीं होने से लापरवाही की आशंका बनी रहती है।

महाराष्ट्र में 84,000

आशा कार्यकर्ता

बता दें कि महाराष्ट्र में लगभग 84,000 आशा कार्यकर्ता काम कर रही हैं और आम लोगों तक स्वास्थ्य विभाग की अलग-अलग योजनाओं और पहलों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में उनकी भूमिका बहुत अहम है। नेशनल हेल्थ मिशन और इमरजेंसी मेडिकल सर्विस (108/102) के तहत काम करने वाले कर्मचारी भी स्वास्थ्य योजनाओं को ठीक से लागू करने में बड़ा योगदान देते हैं। हालांकि, कॉन्ट्रैक्ट पर होने के कारण, इन कर्मचारियों को रेगुलर कर्मचारियों की तरह सोशल सिक्योरिटी का लाभ नहीं मिलता है। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आंबेडकर ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को ईएसआईएस के दायरे में लाने के लिए एक सकारात्मक परस्पर पेश किया जाए ताकि उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

लंबे समय से हो रही

बीमा योजना में शामिल करने की मांग

लंबे समय से राज्य शहरी सहकारी क्रेडिट सोसाइटी फेडरेशन, स्वरोजगार संगठनों, राशन की दुकान के कर्मचारियों के संघों, सार्वजनिक पुस्तकालयों और निजी शिक्षण संस्थानों के कर्मचारियों को राज्य कर्मचारी बीमा योजना में शामिल करने की मांग की जा रही है। मंत्री प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग कम आय वाले इन कर्मचारियों को ईएसआईएस योजना का लाभ देने के पक्ष में है। इस कदम का मकसद इलाज के खर्च का बोझ कम करना और दुर्घटना, गंभीर बीमारी या मातृत्व की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस पहल से राज्य भर के हजारों आशा कार्यकर्ताओं, समूह सुविधाप्रदाताओं और अग्रबंध पर काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी राहत मिलेगी और साथ ही स्वास्थ्य सेवा प्रणाली भी और मजबूत होगी।

मालाड विवाद पर राज ठाकरे की अपील

मराठी और जैन समाज के बीच मतभेद फैलाने वालों से रहें सावधान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मालाड में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के जिरें टोप (शिरस्त्राण) पर जैन समाज का झंडा लगाए जाने के बाद शुरू हुए विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने जैन समाज के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों समुदायों से शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। राज ठाकरे ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल मराठी और जैन समाज के बीच विवाद और तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दोनों समुदायों से ऐसे प्रयासों के प्रति सतर्क रहने और किसी भी तरह के राजनीतिक उकसावे में नहीं आने की अपील की। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने या किसी धर्मगुरु के स्वागत पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अगर किसी हाउसिंग सोसायटी में जैन धर्मगुरु आते हैं, तो उनके स्वागत के लिए कारपेट बिछाया जा सकता है और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उसे हटा देना चाहिए। हालांकि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे इंतजाम नहीं किए जाने चाहिए, जिनसे आम लोगों को असुविधा या परेशानी हो।



■ राज ठाकरे ने कहा कि जैन मुनि पद्मसागर स्वयं उनके घर आ चुके हैं और उन्हें जैन समाज से किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और उनकी आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए लेकिन इसके साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था और दूसरे नागरिकों की सुविधाओं का भी समान रूप से ध्यान रखना जरूरी है।

■ मनसे प्रमुख ने कहा कि समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने मराठी और जैन समाज से अपील की कि वे किसी भी राजनीतिक साजिश या भड़काऊ कोशिश का हिस्सा न बनें और आपसी विश्वास व सौहार्द के साथ आगे बढ़ें। सामाजिक सौहार्द ही किसी भी विवाद का सबसे बेहतर समाधान है।

मेरे पास जैन समाज को बांटने वाले नेताओं की लिस्ट है

राज ठाकरे की चेतावनी पर जैन मुनि का बड़ा दावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में पिछले कुछ समय से जारी मराठी बनाम गुजराती और जैन समुदाय का विवाद एक बार फिर गरमा गया है। मुंबई, मीरा-भायंदर और लालबाग जैसे इलाकों में कुछ सोसाइटियों के बाहर लगाई गई सफेद पट्टियों (शाकाहारी/अहिंसक क्षेत्रों के संकेत) को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा दी गई कड़ी चेतावनी के बाद अब जैन समुदाय के प्रतिष्ठित संत सामने आए हैं। जैन मुनि नीलेशचंद्र ने राज ठाकरे के बयान पर अपनी गहरी प्रतिक्रिया दी है और उनसे इस सामाजिक विवाद को खत्म करने के लिए सहयोग मांगत है। जैन मुनि ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा है कि समाज और राजनीति में कुछ ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो जानबूझकर जैन समुदाय को बांटने और इस विवाद को हवा देने की साजिश रच रहे हैं।

मेरे पास समाज में फूट डालने वाले राजनेताओं और संतों की सूची है

राज ठाकरे को सीधे संबोधित करते हुए जैन मुनि नीलेशचंद्र ने कहा, ‘हमारे जैन समुदाय के लोगों को किसी भी राजनीतिक नेता के बिछाप जाल में फंसने की जरूरत नहीं है। मीरा-भायंदर से लेकर लालबाग तक कुछ लोग बेवजह इस विवाद को तूल दे रहे हैं। इनमें कुछ स्वाथी राजनेता शामिल हैं और कुछ ऐसे संत भी हैं जो किसी खास राजनीतिक पार्टी के लिए प्रचार का काम कर रहे हैं। आम जैन समाज नेताओं के बहकावे में नहीं आता, लेकिन कुछ लोग इन तत्वों की बातों को मान रहे हैं। मेरे पास ऐसे सभी शरारती तत्वों की पूरी सूची है, जिसमें उन्के नाम और पते शामिल हैं।’

ऊपर दो गुजराती बैठे हैं, इसलिए कुछ मत करो

इससे पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने जैन समुदाय के कुछ समूहों को बेहद कड़े लहजे में चेतावनी दी थी। राज ठाकरे ने कहा था कि आप लोग व्यापारी हैं, यहां शांति से व्यापार कीजिए और रहिए। सिर्फ इसलिए कि दिल्ली में ऊपर दो गुजराती बैठे हैं, आप यहां कुछ भी मनमानी मत कीजिए। राजनीतिक दलों के इशारों पर चलकर आम लोगों को भड़काना बंद करो। अगर हमारा (मराठी मानुस का) दिमाग खराब हो गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। लोग यहां सालों से मिलजुलकर रह रहे हैं। गुजराती समाज तो प्राचीन काल से मुंबई का हिस्सा रहा है, लेकिन पिछले दस-बारह सालों में यह नया विवाद कब से शुरू हो गया? जैन संघदाय के कुछ संत मेरे घर भी आए थे, मैंने उनसे साफ कहा है कि वे अपने समुदाय के लोगों को समझाएं कि वे बेवजह विवाद पैदा न करें।’

मुंबई में सनबर्न को लेकर बवाल

आयोजकों पर मामला दर्ज करने और स्थायी रोक की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शहर में आयोजित होने वाले सनबर्न जैसे संगीत कार्यक्रमों को लेकर विवाद गहरा गया है। नशा विरोधी संघर्ष अभियान के कार्यकर्ताओं ने सुरुवात को दादर रेलवे स्टेशन के बाहर प्रदर्शन कर ऐसे आयोजनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आयोजकों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने तथा महाराष्ट्र में इस प्रकार के कार्यक्रमों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने की मांग की।

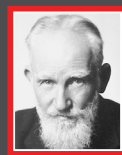


प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हाल ही में वहीं स्थित एनएससीआई डोम में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक युवती की तबीयत भी बिगड़ गई। अभियान ने इन घटनाओं को राज्य में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति से जोड़ते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की।

जांच की मांग

अभियान ने एनएससीआई डोम में कार्यक्रम की अनुमति देने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। प्रदर्शनकारियों ने आयोजकों के साथ-साथ अनुमति देने वाली एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

विचार प्रवाह



तुम चीजें देखते हो, और कहते हो, 'क्यों?' लेकिन मैं उन चीजों के सपने देखता हूँ जो कभी थीं ही नहीं, और मैं कहता हूँ 'क्यों नहीं?'

— जॉर्ज बर्नार्ड शा

संपादकीय

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंडौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहिया से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लोहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरुआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं, भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते। निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खोफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगवार और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारें फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है? क्या समाज को दुष्टि खानापान, विषाक्त सोच का बाजार, रिश्तों में बढ़ता अविश्वास और एकाकी परिवारों का त्रास युवा पीढ़ी को आक्रामक बना रहा है? मोबाइल संस्कृति की घातकता व तेजी से फैलता नकारात्मक कंटेंट संबंधों में विकृतियां ला रहा है। मोबाइल फोन जो कभी रिश्तों को जोड़ता था, अपराध का साधन बन रहा है। सोनम व राज सिंह की साजिश हो या सिया व चेतन का षड्यंत्र, उसमें मोबाइल भी सहभागी बना है। पुलिस ने भी चेतन से हुई सिया की हजारों कॉलों का विवरण दिया है। आज साजिशें मोबाइल पर ही रची जाती हैं और मोबाइल से ही अजाम दी जाती हैं। निश्चय ही सोनम व सिया की साजिशें वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने की सोच रहे युवाओं के मन में कई तरह के संश्यों को जन्म देंगी। वजह साफ है कि इन हत्याओं से रिश्तों में विश्वास का खून हुआ है। नकारात्मक घटनाएं इक्का-दुक्का ही होती हैं लेकिन ये अप्रत्याशित व असमान्य घटनाएं आम आदमी की सोच को गहरे तक प्रभावित करती हैं। जो समाज में सहज-सरल रिश्तों के प्रति अविश्वास पैदा करती हैं। ऐसी सोच का नकारात्मक परिणाम भारतीय आदर्श स्त्री की प्रतिष्ठा पर भी आंच ला सकता है। यही वजह है कि आज नई पीढ़ी के कई युवा विवाह संस्था में प्रवेश से कतराने लगे हैं।

आज का इतिहास



- 2002 - जी-8 देश परमाणु हथियार नष्ट करने की रूसी योजना पर सहमत।
- 2003 - संयुक्त राज्य अमेरिका में समलैंगिकता पर प्रतिबंध रद्द।
- 2004 - अमेरिका और यूरोपीय संघ ने जी.पी.एस. गैलिलियो के विकास में सहयोग से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- 2005 - ब्रिटेन ने भारत की वोटो रहित स्थायी सदस्यता का समर्थन किया।
- 2006 - गुयेन मिन्ह ट्यूट वियतनाम के राष्ट्रपति चुने गये।
- 2007 - जेम्स गार्डन ब्राउन ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री का पद संभाला। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने महारानी एलिजाबेथ को अपना त्याग पत्र सौंपा।
- 2008 -भारत व पाकिस्तान ने ईरान से आने वाली गैस पाइप लाइन परियोजना को चालू करने के लिए आ रही रुकावटों को हल किया।
- पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के सहअध्यक्ष आसिफ अली जरदारी छः दिवसीय विदेश यात्रा के पहले चरण में तुर्की रवाना हुए।
- 2015- भारत के फिल्म इतिहास में अपना एक खास मुकाम रखने वाले सत्यजीत रे अथवा सत्यजित राय की तस्वीर को संयुक्त राष्ट्र ने अपने मुख्यालय में प्रदर्शित करने का फैसला किया।
- 1964 - पी. टी. उषा - भारतीय खिलाड़ी
- 1955 - पूर्णमा वर्मन - भारतीय पत्रकार
- 1950 - नितिन मुकेश - हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध भारतीय गायक हैं।
- 1939 - राहुल देव बर्मन - हिन्दी फिल्में के संगीतकार।
- 1928 - आर. डी. प्रधान - पूर्व केंद्रीय गृह सचिव थे।
- 1922 - अकिलन - तमिल भाषा के साहित्यकार
- 1919 - अमला शंकर - मशहूर भारतीय नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर थीं।
- 1839 - रणजीत सिंह - 'भारतीय इतिहास' में प्रसिद्ध सिक्खों के महाराजा।
- 2008 - सैम मानेकशों - भारतीय सेना के भूतपूर्व अध्यक्ष, जिनके नेतृत्व में भारत ने सन 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय प्राप्त की थी।

राजनीति का ‘अमीबा’ और बढ़ती शिंदे सेना

विस्तार की राजनीति, सहयोगियों की चिंता और भाजपा की आंतरिक चुनौतियां

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई जीवविज्ञान की परीक्षा में एक प्रश्न अक्सर पूछा जाता था- ‘अमीबा का चित्र बनाइए।’ यह सबसे आसान सवाल माना जाता था, क्योंकि अमीबा का कोई निश्चित आकार नहीं होता। उसे किसी भी रूप में बना दिया जाए, वह सही माना जाता है। आज महाराष्ट्र की राजनीति में शिंदे सेना को देखकर उसी अमीबा

की याद आती है। यह कहना मुश्किल है कि यह दल आगे किस दिशा में और कितना विस्तार करेगा। जीवविज्ञान का अमीबा आकारहीन होता है, जबकि राजनीति का यह ‘अमीबा’ विचारधारा की सीमाओं से मुक्त दिखाई देता है। जहां जगह मिलती है, वहां फैलता जाता है और जहां विरोध कम होता है, वहां अपनी जड़ें मजबूत कर लेता है।



विस्तार ही राजनीति की ताकत

■ हर राजनीतिक दल के लिए विस्तार की महत्वाकांक्षा जरूरी होती है। इसके अभाव में किसी भी संगठन का प्रभाव धीरे-धीरे घटने लगता है। इसका उदाहरण उद्धव ठाकरे की शिवसेना के वर्तमान हालात में देखा जा सकता है। हालांकि अभी शिंदे सेना का आधार मुख्य रूप से स्थानीय स्तर पर चार-पांच हजार वोटों का प्रभाव रखने वाले नेताओं तक सीमित है, लेकिन यदि यही विस्तार आगे बढ़े स्तर तक पहुंचा तो भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) जैसे सहयोगी दलों की चिंता भी बढ़ सकती है।

■ फिलहाल शिंदे सेना का पूरा जोर निर्दलीय लेकिन प्रभावशाली स्थानीय नेताओं, उद्धव गुट के नगरसेवकों तथा कांग्रेस के छोटे-बड़े नेताओं को अपने साथ जोड़ने पर है। यही वे चेहरे हैं जिन्हें भाजपा भी अपने साथ ला सकती थी, लेकिन पार्टी के कई स्थानीय नेताओं में यह धारणा बन गई है कि अब उन्हें किसी बाहरी नेता की आवश्यकता नहीं है। यही आत्मसंतोष आगे चलकर नुकसान का कारण बन सकता है।

मित्र से भी बढ़ सकता है खतरा

■ भाजपा विधायक आशीष देशमुख का यह कहना कि अब पार्टी को बाहर से किसी की जरूरत नहीं है, इसी मानसिकता को दर्शाता है। विडंबना यह है कि स्वयं उनका राजनीतिक सफर कांग्रेस और भाजपा के बीच कई बार बदलता रहा है। राजनीति का इतिहास बताता है कि विस्तार की प्रक्रिया रुकना, गिरावट की पहली चेतावनी होती है।

■ आज शिंदे सेना भाजपा की विश्वसनीय सहयोगी अवश्य है, लेकिन राजनीति में सबसे बड़ा खतरा कई बार विरोधियों से नहीं बल्कि सहयोगियों की बढ़ती ताकत से पैदा होता है। राजनीति में कोई स्थान लंबे समय तक खाली नहीं रहता। यदि कोई दल उसे नहीं भरता, तो दूसरा दल वहां अपनी जगह बना लेता है। यही कारण है कि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उद्धव गुट के छह सांसदों को शिंदे सेना में जाने देने के बजाय भाजपा उन्हें अपने साथ जोड़ सकती थी।

शिंदे सेना की बढ़त का आधार

■ उद्धव ठाकरे गुट के छह सांसदों के शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे लगातार यह संकेत दे रहे हैं कि अभी और राजनीतिक झटके बाकी हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि आने वाले समय में उद्धव गुट के विधायक, मुंबई सहित कई नगरसेवक और अन्य नेता भी शिंदे सेना का दामन थाम सकते हैं।

■ यह आत्मविश्वास अचानक पैदा नहीं हुआ है। कभी कांग्रेस-राष्ट्रवादी गठबंधन सरकार के दौर में राष्ट्रवादी कांग्रेस अपने छोटे-बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं को मजबूत करने के लिए जानी जाती थी। वर्तमान महायुति सरकार में वही भूमिका अब शिंदे सेना निभाती दिखाई दे रही है। दूसरी ओर, अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी में पहले जैसी संगठनात्मक सक्रियता दिखाई नहीं देती, जबकि भाजपा अपने बड़े जनाधार के भरोसे नए विस्तार की आवश्यकता कम महसूस करती है।

■ इसी बीच सांसद श्रीकांत शिंदे ने संगठन के भीतर जवाबदेही बढ़ाने वाली एक व्यवस्थित कार्यवाणीला विकसित की है, जिसमें प्रत्येक मंत्री को संगठनात्मक जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। यही व्यवस्था पार्टी के विस्तार में सहायक बन रही है।

महत्वाकांक्षा और संतुलन की जरूरत

■ यह कहना अभी कठिन है कि एकनाथ शिंदे का यह राजनीतिक अभियान आखिर कहां तक पहुंचेगा। लेकिन राजनीति का इतिहास यही सिखाता है कि विस्तार को कोई सीमा नहीं होती, जबकि महत्वाकांक्षा को हमेशा संतुलन की आवश्यकता होती है। जीवविज्ञान में भी अमीबा की अनियंत्रित वृद्धि किसी स्थिर स्थिति का नहीं बल्कि संभावित संकट का संकेत मानी जाती है।

■ शिंदे सेना के लगातार बढ़ते प्रभाव को देखते हुए न केवल विपक्ष बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। राजनीति में विरोधी सामने से चुनौती देता है, लेकिन कई बार सहयोगी चुनौति आगे निकल जाता है।

भाजपा के भीतर उभरते असंतोष के केंद्र

■ केंद्र और महाराष्ट्र दोनों जगह सत्ता में होने के बावजूद भाजपा के सामने सब कुछ पूरी तरह सहज नहीं है। राज्य के कुछ जिलों में पार्टी के भीतर असंतोष और गुटबाजी तेजी से बढ़ रही है। चंद्रपुर, लातूर, अमरावती और नंदुरबार ऐसे जिले हैं, जहां व्यक्तिगत अहंकार संगठनात्मक एकता पर भारी पड़ रहा है।

■ जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के प्रभारी केंद्रीय नेताओं तक ऐसी रिपोर्ट पहुंची है कि इन जिलों में आंतरिक विवादों के कारण पार्टी को नुकसान हो रहा है। चंद्रपुर में सुधीर मुनगंटीवार और किशोर जोरगेवार-बंटी भागड़िया के बीच टकराव, अमरावती में नवनीत राणा और अन्य भाजपा नेताओं के मतभेद, लातूर में संभाजी पाटिल निलंगेकर तथा अभिमन्यु पवार के बीच विवाद और नंदुरबार में डॉ. विजयकुमार गावित, डॉ. हीना गावित तथा अन्य नेताओं के बीच खींचतान संगठन के लिए चिंता का विषय बन चुकी है।

समय रहते इलाज जरूरी

■ इन जिलों में यदि समय रहते संगठनात्मक हस्तक्षेप नहीं किया गया तो कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश जाएगा कि पार्टी अनुशासनहीनता या गुटबाजी पर कोई कार्रवाई नहीं करती। इसका असर अन्य जिलों में भी दिखाई दे सकता है और नए असंतोष के केंद्र उभर सकते हैं।

■ कुछ जिले ऐसे भी हैं, जहां मतभेद खुलकर सामने नहीं आते, लेकिन भीतर ही भीतर असंतोष सुलगता रहता है। फिलहाल वे पूरी तरह अशांत नहीं हैं, लेकिन परिस्थितियां बदलने पर वहां भी संकट खड़ा सकता है। इसलिए भाजपा के लिए आवश्यक है कि वह समय रहते इन आंतरिक चुनौतियों का समाधान करे, क्योंकि बाहरी विपक्ष से पहले कई बार संगठन के भीतर की दरारें ही सबसे बड़ा राजनीतिक नुकसान पहुंचाती हैं।

मुंबई की भागती जिंदगी और खत्म होती सहनशीलता

● लोकल ट्रेनों की भीड़ अब केवल सफर नहीं, मानसिक दबाव का प्रतीक बनती जा रही है

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई 23 जून की मूसलाधार बारिश वाली रात अर्धेरी से विंगर लौट रहे 22 वर्षीय मयंक लोहार की लोकल ट्रेन में चाकू मारकर हत्या केवल एक व्यक्ति के गुस्से का परिणाम मान लेना शायद वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा होगा। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि क्या महानगरों का जीवन अब इतना अमानवीय हो चुका है कि मामूली विवाद भी हत्या तक पहुंच जाए? स्पष्ट है कि इस सवाल का अर्थ किसी भी रूप में इस जघन्य अपराध का समर्थन नहीं है, बल्कि उस सामाजिक और मानसिक स्थिति को समझना है, जिसने ऐसे अपराधों की जमीन तैयार की है।



वया बारूद के ढेर पर बैठी है मुंबई?

देश की आर्थिक राजधानी और दुनिया के प्रमुख महानगरों में गिनी जाने वाली मुंबई हमेशा अपनी रफ्तार और ऊर्जा के लिए जानी जाती रही है। लेकिन आज यह भी विचार करने की जरूरत है कि कहीं यही शहर धीरे-धीरे ऐसे बारूद के ढेर में तो नहीं बदल रहा, जो कभी भी फट सकता है। मुंबई की जीवनरेखा कहीं जाने वाली लोकल ट्रेनों में होने वाले झगड़े कोई नई बात नहीं है। रोजाना 70 से 80 लाख लोग भीड़, उमस और धक्कामुक्की के बीच सफर करते हैं। ऐसे माहौल में बहस, कहासुनी और कभी-कभी हाथापाई तक होना असामान्य नहीं माना जाता।

तनाव से भरा रोजमर्रा का जीवन

मुंबई का आम नागरिक पहले से ही अत्यधिक तनावपूर्ण जीवन जी रहा है। लोकल ट्रेनों की लगातार बढ़ती भीड़, स्टेशन तक पहुंचने की भागदौड़, फुटपथों पर अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम, टूटी सड़कों, महंगाई, बच्चों की शिक्षा और गृहगार की चिंता जैसी अनेक समस्याएं उसके मानसिक संतुलन पर लगातार दबाव डाल रही हैं। खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की चीजों की गिरती गुणवत्ता और जनप्रतिनिधियों द्वारा आम नागरिक की समस्याओं के प्रति उदासीनता भी उसकी निराशा को बढ़ाती है। ये समस्याएं केवल मुंबई तक सीमित नहीं हैं, लेकिन रोज का कठिन लोकल सफर इन्हें कहीं अधिक असहनीय बना देता है।

सहनशक्ति की अंतिम सीमा

मुंबई का आम आदमी अपने दिन का बड़ा हिस्सा लोकल ट्रेनों में बिताता है। ऐसे में सबसे अधिक तनाव और टकराव भी वहीं दिखाई देते हैं। हर व्यक्ति अपने भीतर के तनाव को अलग-अलग तरीके से व्यक्त करता है, लेकिन इन घटनाओं से यह साफ झलकता है कि समाज की सामूहिक सहनशीलता लगातार खत्म होती जा रही है। मयंक लोहार जैसे युवा का जीवन, जिसने अभी दुनिया को ठीक से देखा भी नहीं था, ऐसी हिंसा का शिकार होकर समाप्त हो जाना केवल एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की त्रासदी है।



सिर्फ कैमरे नहीं, जीवन आसान बनाना होगा

ऐसी घटनाओं के बाद लोकल ट्रेनों में अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने या निगरानी बढ़ाने जैसे उपाय सुझाए जाते हैं। लेकिन यह समाधान पर्याप्त नहीं है। मयंक की हत्या के समय भी कई लोग मदद करने के बजाय अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने में व्यस्त थे। इसलिए केवल तकनीकी निगरानी से समस्या का समाधान नहीं निकलेगा।

असली जरूरत है आम नागरिक का जीवन कम तनावपूर्ण और अधिक सम्मानजनक बनाने की। बेहतर सार्वजनिक परिवहन, सुगम यातायात, सुरक्षित माहौल और नागरिकों की मानसिक सेहत पर ध्यान देने वाली नीतियां ही ऐसे हादसों को रोक सकती हैं। अब सवाल यह है कि क्या हमारी व्यवस्था इस गहरे संकट को समझने और समय रहते आवश्यक कदम उठाने की संवेदनशीलता दिखाएगी?

प्रेरक प्रसंग

मां

"मां, हमने फैसला कर लिया है कि हमारा बच्चा किसी और की कोख से पैदा होगा।" बेटी की बात सुनते ही मां के हाथ से चाय का कप लगभग छूट गया। उसने अविश्वास से बेटी की ओर देखा।

"क्या कह रही हो? तुम्हारा बच्चा... किसी और की कोख से? कहीं तुम दोनों ने जुल्दबाजी में कोई गलत फैसला तो नहीं कर लिया?" बेटी ने शांत स्वर में कहा, "नहीं मां, हमने बहुत सोच-समझकर निर्णय लिया है। हम सरोगेसी का सहारा लेंगे। डॉक्टर से भी बात हो चुकी है।" मां की आंखों में चिंता उतर आई। "लेकिन इसकी जरूरत ही क्या है? तुम तो बिल्कुल स्वस्थ हो।" "जरूरत है मां, मैं बेटी ने गहरी सांस लेते हुए कहा, "मेरे करियर की। अगले कुछ महीनों में कंपनी में डायरेक्टर की पोस्ट के लिए मेरा नाम सबसे आगे है। अगर मैं अभी मातृत्व अवकाश पर चली गईं, तो यह मौका हाथ से निकल जाएगा।" "और अगर सब ठीक रहा, वह उत्साह से बोली, "तो इस साल मैं डायरेक्टर बन जाऊंगी। फिर सोचो, कितनी अच्छी जिंदगी दुर्गी अपने बच्चे को। उसे दुनिया की हर खुशी मिलेगी।" मां कुछ देर चुप रही। फिर धीमे स्वर में बोली, "बेटी, खुशियां सिर्फ पैसे से नहीं मिलती।" बेटी ने मुस्कराकर कहा, "आज के समय में पैसा बहुत जरूरी है। लोग भी तो समझेंगे। अगर कोई पूछेगा तो कह दूंगी कि मैं मां बनने में सक्षम नहीं हूं।" "और लोग क्या कहेंगे?" मां के मुंह से अनायास निकल गया। "लोगों की परवाह कब तक करें? वे दो दिन बातें करेंगे, फिर भूल जाएंगे।" मां ने बेटी का हाथ अपने हाथ में ले लिया। "बात लोगों की नहीं है। बात उस रिश्ते की है जो एक मां और उसके बच्चे के बीच नौ महीनों में बनता है। वह रिश्ता पहिले खूबन का नहीं होता, एहसासों का होता है। बच्चे की सही धड़कन, पहली हलचल, हर दर्द और हर खुशी... सब उसी सफर में जन्म लेते हैं।"



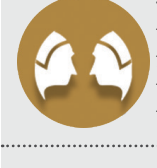
■ बेटी कुछ पल के लिए खामोश हो गई। मां ने आगे कहा, "मैं सरोगेसी के खिलाफ नहीं हूं। जिन महिलाओं के पास कोई और रास्ता नहीं होता, उनके लिए यह ईश्वर का वरदान है। लेकिन केवल करियर की सीढ़ी जल्दी चढ़ने के लिए मातृत्व का वह अनुभव किसी और को सौंप देना... क्या सच में यही प्रगति है?"

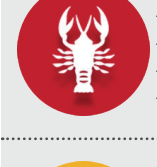
■ कमरे में सन्नाटा फैल गया। बेटी की आंखें झुक गईं। उसके सामने एक तरफ सुनहरा भविष्य, ऊंची कुर्सी और बड़ा वेतन था, तो दूसरी तरफ वह अनमोल एहसास, जिससे कोई पद, कोई पैसा और कोई सफलता कभी नहीं खरीद सकती। मां ने उसके स्िर पर हाथ फेरते हुए बस इतना कहा

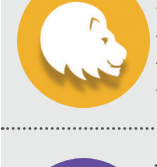
राशिफल

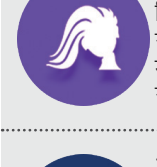
- 

मे़ष- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्यनन्ति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचे।
- 

वृषभ-व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यववृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचे। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।
- 

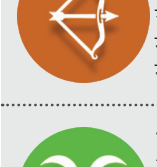
मिथुन- नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पृष्ठ-परख रहेगी।
- 

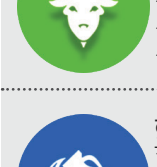
कर्क- व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।
- 

सिंह- राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुश्मन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सस्तरंग का लाभ मिलेगा।
- 

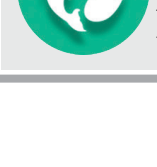
कन्या- व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिल्कुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।
- 

तुला-राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।
- 

वृश्चिक- प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।
- 

धनु- आज बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा।
- 

मकर- आय में निश्चिन्ता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।
- 

कुंभ- कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पृष्ठ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।
- 

मीन-आज नए मित्र बनेंगे। दूरस्थ क्षेत्र से अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

गुजरात से राजस्थान जा रही लगजरी बस से 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ अहमदाबाद गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने शहर पुलिस की मदद से गुजरात से राजस्थान जा रही एक लगजरी बस की अहमदाबाद के शाहीबाग में तलाशी लेकर प्रतिबंधित ड्रग्स ट्रामाडोल की दो लाख से अधिक टेबलेट जप्त की। इसकी बाजार कीमत 8 करोड़ 32 लाख बताई गई है। मौके से फरार आरोपी परेश पारसमल जैन को राजस्थान के उदयपुर से दबोच लिया। एटीएस पुलिस अधीक्षक के सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में एटीएस, अपराध शाखा तथा अहमदाबाद पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत, शाहीबाग पहुंची एम आर ट्रेवल्स की लगजरी बस की तलाश ली।



राजस्थान के पाली जा रही थी बस

यह बस गुजरात के अंकलेश्वर से राजस्थान के पाली जा रही थी। इसमें एक बॉक्स में छोटे छोटे कागज के 416 बॉक्स में रखी 2 लाख 8 हजार ट्रामाडोल हाईड्रोक्लोराइड की प्रतिबंधित टेबलेट बरामद की। पुलिस उपाधीक्षक एस एल चौधरी व उनकी टीम ने जब पूछताछ की तो पता चला कि आरोपी परेश पारसमल जैन राजस्थान भाग गया, पुलिस ने उसे उदयपुर के गोमुदा में दबोच लिया।

आरोपी ने खोले बड़े राज

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि मैं माह में अब तक वह 62 लाख से अधिक टेबलेट राजस्थान व उत्तर प्रदेश पहुंचा चुका है। इससे पहले आरोपी उत्तराखंड तथा महाराष्ट्र में प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ पकड़ा गया था तथा वह गत माह वापी में पकड़ी गई करीब ड्राई किलो मेफेंड्रोन ड्रग्स की तस्करी में भी लिपट था। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपी को गिरफ्तार किया था।

‘वंदे मातरम’ केवल गीत नहीं, भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र : अमित शाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि ‘वंदे मातरम’ केवल एक देशभक्ति गीत नहीं, बल्कि ‘भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र’ है। शाह ने मादक पदार्थ के खिलाफ देश की रणनीति पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए बॉकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाह ने राष्ट्रीय नाकौं-समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्षस्तरीय बैठक में कहा कि 26 जून देश के मादक पदार्थ विरोधी अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि इस दिन बॉकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती भी है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान राष्ट्र के आत्मविश्वास को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। शाह ने कहा कि बॉकिम बाबू ने ‘वंदे मातरम’ की रचना की थी।

■ ‘वंदे मातरम’ राष्ट्र की सांस्कृतिक वेतना और देशभक्ति का एक सशक्त प्रतीक बन गया। जब स्वतंत्रता संग्राम अपने चरम पर था, तब अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का प्रमुख नारा ‘वंदे मातरम’ था। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अनेक क्रांतिकारियों ने ‘वंदे मातरम’ का उद्घोष करते हुए फांसी के फंदे को चुमा था। शाह ने कहा कि ‘वंदे मातरम’ हम सभी भारतीयों के लिए केवल एक नारा या गीत नहीं है। ‘वंदे मातरम’ केवल ऐसा गीत भी नहीं है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत की थी।

■ ‘वंदे मातरम’ भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र है और विश्व में भारत माता को सर्वोच्च स्थान पर पुनः स्थापित करने का एक माध्यम भी है। इस बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों तथा स्वापक कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने प्रत्यक्ष और ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। बैठक में नशामुक्त भारत के लक्ष्य की हासिल करने के लिए सरकार के प्रयासों को और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा का केंद्र सिंथेटिक मादक पदार्थों की बढ़ती चुनौती से निपटना, डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी पर अंकुश लगाना तथा अगले तीन वर्षों में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की पहुंच का विस्तार करना रहा।



नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने पूरे किए 2 साल

बोले- सफर लंबा, पर आपके लिए हर लड़ाई लड़ूंगा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपने दो साल पूरे कर लिए। इस मौके पर उन्होंने शुक्रवार को कहा कि सफर लंबा है, लेकिन देशवासियों के हक की लड़ाई लड़ने का उनका संकल्प अडिग है। उन्होंने पिछले दो वर्ष में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उठाए गए प्रमुख मुद्दों से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। राहुल गांधी ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आज दो साल पूरे हुए। इन दो वर्षों में हर दिन एक ही काम रहा, हर भारतीय की आवाज को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाना।

■ नीट के छात्रों की लड़ाई हो, वोट चोरी का पर्दाफाश हो या संविधान की रक्षा, हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा रहा, आज भी हूँ, हमेशा रहूंगा। उन्होंने कहा कि सड़क से संसद तक, आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। सफर लंबा है, पर संकल्प वही, आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा। जय हिंद। जय संविधान। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने पिछले दो वर्षों के दौरान संविधान, बेरोजगारी, महंगाई, ‘वोट चोरी’, किसानों के मुद्दे, दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े विषयों को उठाया है। इसके साथ ही, वह विदेश नीति, उद्योग जगत में कुछ चुनिंदा समूहों के कथित एकाधिकार और संस्थाओं पर आरएसएस के कथित नियंत्रण को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते रहे हैं।

■ राहुल गांधी इन दिनों पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विषय को जोर-शोर से उठा रहे हैं। वर्ष 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस 99 सीट के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी थी। इसके बाद कांग्रेस ने 25 जून, 2024 को राहुल गांधी को

नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपने की घोषणा की। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ 52 सीटें जीती थीं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी सिर्फ 44 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी।



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली सीबीएसई की श्री लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर छात्रों एवं अभिभावकों के लिए एक राहत की खबर है। दरअसल शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि अब कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं तक के छात्रों को बीच में भाषा बदलने की जरूरत नहीं होगी। शिक्षा मंत्री ने कहा है कि श्री-लैंग्वेज पॉलिसी केवल उन छात्रों पर लागू होगा, जो कक्षा 6 में दाखिला लेने वाले हैं। इसके अलावा, जो छात्र वर्तमान में दो विदेशी भाषा पढ़ रहे हैं। वे इसे कक्षा दसवीं तक जारी रख सकते हैं।

जल्द उपलब्ध कराई जाएगी पुस्तकें नई पॉलिसी के तहत कक्षा के स्तर के आधार पर 22 भारतीय भाषाओं में किताब जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री ने सीबीएसई शिक्षक और पाठ्यक्रम सामग्री से जुड़े विषय पर बात करते हुए यह भी कहा कि टीचर और सामग्री उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी सीबीएसई की है।

किन छात्रों पर होगा नियम लागू शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बताया है कि सीबीएसई ‘श्री लैंग्वेज पॉलिसी’ कक्षा 6 में पढ़ रहे छात्रों पर लागू होगा। शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि छात्रों को बीच में भाषा बदलने पर दबाव नहीं बनाया जाएगा। इसके लिए सीबीएसई की ओर से जल्द ही संशोधित आदेश भी जारी किया जाएगा। साथ ही, जो छात्र वर्तमान में दो विदेशी भाषा पढ़ रहे हैं, वे कक्षा दसवीं तक इसे जारी रख सकते हैं।

वोकेशनल एजुकेशन पर जोर सीबीएसई की नई पॉलिसी के तहत वोकेशनल एजुकेशन पर भी पूरा ध्यान दिया जाएगा। कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को हर साल 110 घंटे का रिस्कल मॉड्यूल पूरा करना होगा। इसके अलावा, सभी स्कूलों में रिस्कल लेब भी स्थापित किए जाएंगे। कक्षा 9 से 10 तक के छात्रों के लिए कौशल विकास जैसे विषय में भाग लेना अनिवार्य होगा। लेकिन कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए यह कार्यक्रम पूरी तरह से वैकल्पिक होगा।

महेश दीक्षित होंगे IB के नए चीफ

तेलंगाना कैडर के हैं IPS अधिकारी, कश्मीर में भी दे चुके हैं सेवाएं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी महेश दीक्षित आसूचना ब्यूरो (आईबी) के नये प्रमुख होंगे। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आईबी प्रमुख के रूप में दीक्षित की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी दीक्षित आईबी निदेशक के रूप में तपन कुमार डेका की जगह लेंगे। उन्होंने बताया कि दीक्षित फिलहाल आईबी में विशेष निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं और उनके पास जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक राज्य खुफिया ब्यूरो के प्रमुख के तौर पर काम करने का अनुभव है। एक पेशेवर चिकित्सक से कानून-प्रवर्तन अधिकारी बने दीक्षित के पास देश की प्रमुख आंतरिक खुफिया एजेंसी में लगभग तीन दशक का व्यापक अनुभव है।

■ उन्होंने पूर्वोत्तर और लद्दाख में अभियानों से लेकर नक्सल विरोधी प्रकोष्ठों तक अलग-अलग तरह की संवेदनशील जिम्मेदारियां संभाली हैं। दीक्षित आईबी में मजबूत जमीनी खुफिया नेटवर्क और आतंकवाद-रोधी मामलों में विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं। वह श्रीनगर में सहायक आसूचना ब्यूरो के प्रमुख थे और अधिकारियों के अनुसार अनुच्छेद-370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के बाद वहां आंतरिक स्थिरता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पिछले वर्ष दीक्षित ने एक बड़े ‘सफेदपोश’ आतंकवादी नेटवर्क का भंडाफोड़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने श्रीनगर पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई शुरुआती जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया था। दीक्षित 30 जून को आसूचना ब्यूरो के प्रमुख के रूप



में कार्यभार संभालेंगे। वह 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका की जगह लेंगे, जिन्हें सरकार ने दो बार सेवा विस्तार दिया था। डेका को जून 2022 में दो वर्ष के लिए आसूचना ब्यूरो का प्रमुख नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 और 2025 में दो बार बढ़ाया गया। डेका को विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अभियानों का विशेषज्ञ माना जाता है। नवंबर 2008 में हुए मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान जवाबी अभियानों की कमान उन्होंने हाथों में थी। आतंकवाद और इस्लामी कट्टरपंथ से जुड़े मामलों को संभालने में दक्ष डेका ने इंडियन मुजाहिदीन के खिलाफ अभियानों का भी नेतृत्व किया। इंडियन मुजाहिदीन 2000 के दशक में देशभर में कई विध्वंसक गतिविधियों में शामिल रहा था।

दिल्ली में बड़ी सियासी सर्जरी की तैयारी

मोदी कैबिनेट और बीजेपी संगठन में जल्द होगा बंपर फेरबदल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली दिल्ली की राजनीति गलियारों में बड़ी हलचल चल रही है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि मोदी कैबिनेट में बदलाव होने वाला है। आगामी 2029 के चुनावों को ध्यान में रखते हुए टीम के नए रूप को तैयार किया जा रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि पार्टी में कुछ फेरबदल किए जा सकता है और कुछ नए चेहरों को जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा खराब परफॉर्मेंस वाले कुछ मंत्रियों की विदाई भी तय मानी जा रही है।



मंत्रियों की संगठन में होगी ‘घर वापसी’ इसी के साथ ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली से कुछ मंत्रियों को उनके पदों से हटाया जा सकता है। पार्टी पंक्ति चौधरी और हर्ष मल्लोत्रा जैसे सीनियर नेताओं को वापिस भेज कर चुनाव सुधारने की कोशिश करने वाली है, ताकि युवाओं को आगे लाया जा सकेगा। इसके अलावा पार्टी द्वारा महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। ऐसी उम्मीद है कि पार्टी में एक-दो नई महिला उपाध्यक्षों की एंट्री हो सकती है। पहाड़ी राज्यों (हिमाचल प्रदेश) और पूर्वोत्तर (त्रिपुरा) के सीनियर नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर क्षेत्रीय असंतोष को दूर करने की कोशिश की जाएगी।

एनडीए के नए साथियों को ‘गिफ्ट’ देने की तैयारी

पिछले कुछ समय में पार्टी में कुछ नए चेहरे जुड़े हैं। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे नाम नए कैबिनेट मंत्रियों की रैस लिस्ट में सबसे आगे चल रहा है। वहीं पश्चिम बंगाल से टीएमसी से दूरी बना चुके कुछ खास संसद जैसे सुदीप बंदोपाध्याय, शताब्दी राय और कालीनी घोष जैसे कद्दावर नेताओं के नामों पर गंभीरता से विचार हो रहा है। ऐसी उम्मीद बढ़ने पर जोर दे रही है कि इनमें से भी किसी को मोदी कैबिनेट में जगह मिल सकती है।

आयातित दवाओं के नियम बदलने की तैयारी

एक्सपायर होने की तारीख को लेकर सरकार सख्त, अब 12 महीने की वैधता जरूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय आयातित दवाओं से जुड़े नियमों में अहम बदलाव की तैयारी कर रहा है। मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 31 में संशोधन का मसौदा जारी कर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव एवं आपत्तियां मांगी हैं। इस प्रस्ताव का उद्देश्य दवा क्षेत्र में ‘ईज ऑफ़ ड्रुंग बिजनेस’ को बढ़ावा देना और मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।



12 महीने की शेष शेल्फ लाइफ होना पर्याप्त होगा

22 जून को गजट अधिसूचना के जरिए जारी किए गए इस मसौदे में आयातित दवाओं के लिए मौजूदा 60 प्रतिशत से अधिक शेष शेल्फ लाइफ की अनिवार्यता में बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है। नए प्रस्ताव के अनुसार, अब आयात के समय दवा की कम से कम 12 महीने की शेष शेल्फ लाइफ होना पर्याप्त होगा। बता दें कि दवाओं की शेल्फ लाइफ वह समयवधि है, जिसके दौरान कोई दवा सुरक्षित और पूरी तरह से असरदार रहती है। यह अवधि दवा के निर्माण की तारीख से शुरू होकर उस पर छपी एक्सपायरी डेट तक होती है। हालांकि, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि बायोलॉजिकल उत्पादों और रेडियोफार्मास्यूटिकल्स के मामले में मौजूदा नियम ही लागू रहेंगे। यानी इन विशेष श्रेणी की दवाओं के लिए आयात के समय 60 प्रतिशत से अधिक शेष शेल्फ लाइफ की अनिवार्यता में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इसका कारण इन दवाओं की विशेष प्रकृति और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यकताएं हैं।

इससे क्या फायदा होगा?

मंत्रालय का कहना है कि इस संशोधन से दवा आपूर्ति थ्रूखला (फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन) अधिक प्रभावी बनेगी। आयातित दवाओं के पास देश में आने के समय कम से कम 12 महीने की शेष वैधता होने से उन्हें बाजार तक पहुंचाने और मरीजों तक उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इससे मरीजों को उपयोग योग्य शेल्फ लाइफ वाली गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिलती रहेंगी। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से दवाओं की अनावश्यक बर्बादी भी कम होगी, क्योंकि मौजूदा सख्त शेल्फ लाइफ नियमों के कारण कई बार दवा भंडारण और वितरण में नुकसान होता है। इससे सप्लाई मैनेजमेंट बेहतर होगा, लागत घटेगी और देश में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता भी मजबूत होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव केवल आयात के समय लागू होने वाली शेष शेल्फ लाइफ की शर्त से संबंधित है। दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता से जुड़े अन्य सभी नियम ड्रग्स एंड कॉन्सर्वेटिव्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत पहले की तरह लागू रहेंगे। मंत्रालय ने सभी हितधारकों से इस मसौदे पर सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं। इच्छुक लोग निर्धारित अवधि के भीतर अपने सुझाव आधिकारिक ई-मेल पर भेज सकते हैं।

■कैंसर के इलाज में बड़ी क्रांति भारत में लॉन्च हुई 2.15 लाख रुपए की दवा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली भारत में कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नई उम्मीद जगी है। अमेरिकी फार्मा कंपनी एली लिली एंड कंपनी (Eli Lilly) ने अपनी आधुनिक कैंसर रोधी दवा ‘टैनस्ट्राइव’ (Tanstriive) को भारतीय बाजार में उतार दिया है। यह दवा उन मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है, जिनके कैंसर का मुख्य कारण RET नाम के जीन में होने वाला बदलाव (म्यूटेशन) है।



कैसे काम करती है यह दवा? पारंपरिक कीमोथेरेपी के विपरीत, जो शरीर की सभी कोशिकाओं पर असर डालती है, टैनस्ट्राइव एक सटीक उपचार (Targeted Therapy) है। यह सीधे उन गलत संकेतों को रोकने का काम करती है जो RET जीन म्यूटेशन के कारण कैंसर कोशिकाओं को तेजी से बढ़ने के लिए मिलते हैं। आसान शब्दों में कहें तो यह दवा बीमारी की जड़ पर हमला कर ट्यूमर की बढ़त को धीमा कर सकती है।

इलाज का खर्च और डोज

बाजार में यह दवा चार अलग-अलग डोज (40 mg, 80 mg, 120 mg और 160 mg) में उपलब्ध कराई गई है। मरीज को इसे दिन में दो बार लेना होता है। इस आधुनिक तकनीक की कीमत काफी अधिक है। इसके एक बॉक्स की कीमत करीब 2.15 लाख रुपए है, जिसमें 14 दिनों के इलाज की दवा होती है। कैंसर के उपचार में अब ‘जीन-आधारित’ और ‘लक्षित’ पद्धतियों का महत्व बढ़ रहा है। एली लिली इंडिया के अध्यक्ष विसलो टकर का मानना है कि टैनस्ट्राइव जैसी दवाएं भारतीय मरीजों को आधुनिक इलाज का एक नया और प्रभावी विकल्प प्रदान करेंगी।

हिंदमाता एंकरः कोलकाता में एक गोदाम गिरने से 15 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है...

कोलकाता की ऊंची इमारतों की होगी जांच, नियम पूरे होने पर मिलेगी निर्माण की मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता पश्चिम बंगाल सरकार शुक्रवार से कोलकाता और आसपास के इलाकों में ऊंची रिहायशी और कर्मशिवल इमारतों के मंजूर नक्शों (प्लान) की स्पेशल ऑडिट शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री सुचेंदु अधिकारी ने बताया कि इसके लिए बनाई गई हाई-लेवल कमेटी शुक्रवार को अपनी पहली बैठक करेगी और जांच की प्रक्रिया शुरू करेगी। बता दें कि दो दिन पहले कोलकाता में एक गोदाम गिरने से 15 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। हादसे के बाद मुख्यमंत्री ने पिछली टीएमसी सरकार के दौरान मंजूर हुए सभी निमाणाधीन कर्मशिवल प्रोजेक्ट्स की व्यापक जांच कराने का आदेश दिया था। साथ ही इन प्रोजेक्ट्स पर 31 जुलाई तक काम रोकने के निर्देश भी दिए थे।



कमेटी में RITES और IIT खड़गपुर के विशेषज्ञ भी होंगे शामिल

हालांकि मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह पूरी तरह से बैन नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस प्रोजेक्ट या वार्ड की जांच पहले पूरी हो जाएगी और वह सभी मानकों पर सही पाया जाएगा, वहां निर्माण कार्य तुरंत दोबारा शुरू करने की अनुमति दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद शहरी विकास रोकना नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी राजेश पांडे की अध्यक्षता वाली कमेटी इस ऑडिट का काम करेगी। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, RITES और IIT खड़गपुर के विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

पहले चरण में इन इलाकों की इमारतों की होगी जांच

उन्होंने कहा कि पहले चरण में नोटिफाइड इलाकों की सभी ऊंची रिहायशी और कर्मशिवल इमारतों के मंजूर प्लान की जांच होगी। इसके बाद मौके पर जाकर यह देखा जाएगा कि निर्माण मंजूर नक्शे और सुरक्षा मानकों के अनुसार हुआ है या नहीं। पहले चरण में कोलकाता म्युनिसिपल कॉरपोरेशन, बिधाननगर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन, राजारहाट-न्यू टाउन, कल्याणी, बारुईपुर, बज बज, महेशतला और राजपुर-सोनारपुर को शामिल किया गया है। इसके अलावा साउथ दमदम, कमारहाट, बारानगर और हावड़ा म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के कुछ हिस्सों की भी जांच होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो रेलवे, नेशनल हाईवे और केंद्र व राज्य सरकार की अन्य इफ़्फ़ास्ट्रकर परियोजनाओं को इस ऑडिट से बाहर रखा गया है।

तीन श्रेणियों में रखा जाएगा प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री ने बताया कि जांच के बाद हर प्रोजेक्ट को तीन श्रेणियों में रखा जाएगा रिजेशन (अस्वीकृति), रैक्टिफिकेशन (सुधार) और क्लीयरेंस (मंजूरी)। पहले श्रेणी में उन परियोजनाओं को रखा जाएगा जिन परियोजनाओं में गंभीर नियम उल्लंघन या बड़ी खामियां मिलेंगी। इस दौरान उन्हें खारिज किया जाएगा। इसके बाद दूसरी श्रेणी में रैक्टिफिकेशन प्रोजेक्ट को रखा जाएगा। इनमें कमियों को दूर करने का निर्देश दिया जाएगा। तीसरी और आखिरी श्रेणी में क्लीयरेंस को रखा जाएगा। इसमें वो प्रोजेक्ट होंगे जो सभी नियमों का पालन करते मिलेंगे। तीसरी श्रेणी के प्रोजेक्ट को निर्माण दोबारा शुरू करने की मंजूरी तुरंत मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि नियमित मरम्मत, रेंनोवेशन, क्षतिग्रस्त हिस्सों की बहाली और पहले से मंजूर रिहायशी इमारतों में स्वीकृत विस्तार इस ऑडिट के दायरे में नहीं आएंगे। उन्होंने बताया कि कमेटी को ऊंची और कर्मशिवल इमारतों में फायर सेफ्टी सिस्टम, लाइफ़ाइन अररसर, फायर फाइटिंग इफ़्फ़ास्ट्रकर और फायर लाइसेंस की जांच के लिए 90 दिन का अतिरिक्त समय भी दिया गया है।

42 दिन, 70 चोरी और 8 गिरफ्तार

राम मंदिर चढ़ावा केस में SAT रिपोर्ट में कई बड़े खुलासे!



हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और गबन के मामले में गठित विशेष जांच दल की प्रारंभिक जांच में कई चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जांच के दौरान पता चला कि 27 अप्रैल से 5 जून के बीच महज 42 दिनों में 70 बार चोरी की घटनाएँ हुईं। मॉडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, एसआईटी की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े अहम साक्ष्य मिले, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एसआईटी ने 27 अप्रैल से 5 जून तक की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग का विस्तृत विश्लेषण किया। जांच में भेंट एवं चढ़ावे की गणना प्रक्रिया, नकदी के संचालन और रिकॉर्ड प्रबंधन में कई गंभीर खामियां सामने आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, कार्टिंग रिकॉर्ड का रखरखाव बेहद कमजोर था और चढ़ावे के वितरण की व्यवस्था में भी कई अनियमितताएँ मिलीं।

चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा

मामले की जांच जारी रहने के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने नैतिक आधार पर अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इसी दौरान पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

मरे सांप को मुंह में डालकर बना रहा था वीडियो, अचानक बिगड़ी हालत

झाड़-फूंक में उलझे परिजन

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर
उत्तर प्रदेश के बिजनौर से चौकाने वाला एक मामला सामने आया है, जहां सोशल मीडिया के लिए खतरनाक करतब दिखाया एक युवक पर भारी पड़ गया। घर में निकले सांप को मारने के बाद उसने मृत सांप को बार-बार अपने मुंह में डालकर वीडियो बनाने और करतब दिखाने शुरू कर दिए। कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। हैरानी की बात यह रही कि युवक की हालत खराब होने के बावजूद परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने में लगे रहे। इससे इलाज शुरू होने में काफी देरी हो गई। जब उसकी हालत और गंभीर होने लगी तो उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। दरअसल, यह घटना नहटौर थाना क्षेत्र के शादीपुर गांव की है। जानकारी के मुताबिक, गुस्वारा शाम करीब साढ़े सात बजे 42 वर्षीय सलीम पुत्र चसीटा के घर में एक सांप निकल आया था। परिजनों के अनुसार सलीम ने सांप को मार दिया, लेकिन इसके बाद उसने ऐसा कदम उठाया जिसने सभी को हैरान कर दिया।



मरे सांप को मुंह में डालने लगा युवक

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सांप को मारने के बाद सलीम का व्यवहार अचानक असामान्य हो गया। उसने मृत सांप को हाथ में उठाया और उसे बार-बार अपने मुंह के अंदर खलकर बाहर निकालने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे रोकने की कोशिश भी की, लेकिन उसने किसी की बात नहीं सुनी। बताया जा रहा है कि इस दौरान सांप के शरीर पर मौजूद विषैले अवशेष या अन्य दूषित तत्व उसके मुंह के जरिए शरीर में चले गए होंगे। इसके कुछ ही समय बाद उसे घबराहट महसूस होने लगी और उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। देखते ही देखते उसकी हालत गंभीर हो गई। गांव में मौजूद लोगों ने भी युवक को ऐसा खतरनाक करतब करने से मना किया था, लेकिन उसने किसी की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। कुछ ही मिनटों में उसकी तबीयत इतनी खराब हो गई कि परिजन घबरा गए।

अंधविश्वास में फंसे परिजन, इलाज में हुई देरी

युवक की हालत गंभीर होने के बावजूद परिजन उसे सीधे अस्पताल ले जाने के बजाय स्थानीय झाड़-फूंक करने वालों के पास पहुंच गए। काफी देर तक झाड़-फूंक कराई जाती रही, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। जब सलीम की हालत लगातार बिगड़ने लगी और वह बेहोश होने लगा, तब परिजन उसे नहटौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेज दिया गया। चिकित्सकों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में समय पर इलाज मिलना बेहद जरूरी होता है। इलाज में देरी मरीज की स्थिति को और अधिक गंभीर बना सकती है।

मोदी सरकार की सोलर योजना पर भ्रष्टाचार का दाग

पीएनबी मैनेजर 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने पंजाब नेशनल बैंक की भद्रौली शाखा, बरहन के शाखा प्रबंधक प्रवीण यादव को रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर सोलर पैनेल लोन की फाइलों को प्रोसेस और क्लियर करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

30 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथ

पकड़ा गया शाखा प्रबंधक
शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले का सत्यापन कर ट्रेप बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपी शाखा प्रबंधक शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये की पहली किस्त लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को शुक्रवार को गाजियाबाद की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।



देशभर में घर-घर तक सोलर योजनाओं को पहुंचाने पर केंद्र सरकार का जोर

यह मामला इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि केंद्र सरकार देशभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और घर-घर तक सोलर योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दे रही है। ऐसे में यदि सोलर लोन से जुड़े मामलों में रिश्वतखोरी के आरोप सामने आते हैं, तो इससे आम लोगों का भरोसा प्रभावित हो सकता है और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े होते हैं। बैंक की एक शाखा में सामने आया यह मामला पूरे बैंकिंग तंत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करता, लेकिन यह संकेत जरूर देता है कि यदि ऐसी अनियमितताओं पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया, तो सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रति फाइल 7 हजार रुपये की रिश्वत

सीबीआई के अनुसार, 25 जून को दर्ज शिकायत में एक निजी कंपनी से जुड़े शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके 19 सोलर पैनेल लोन आवेदन पहले ही बैंक से स्वीकृत हो चुके थे। इसके बावजूद शाखा प्रबंधक ने फाइलों को गंभीर बनने के लिए प्रति फाइल 7 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। बाद में बातचीत के बाद कुल 52 हजार रुपये में सौदा तय हुआ।



क्षेत्र में मदन लाल भारतीय के नाम पर अतीक की बेनामी संपत्ति मौजूद है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी मनीष शांडिल्य, एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा, एआईजी स्टाम्प राकेश चंद्र, पीडीए सचिव विनीत सिंह, एसडीएम सदर अभिषेक सिंह समेत कई अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष जांच दल गठित किया गया। जांच दल ने महज दो दिनों की पड़ताल में लगभग 12 एकड़ भूमि का पता लगाया है, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। अब इस जमीन के स्वामित्व और खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस ट्रेलर में घुसी

2 की मौत, 24 से ज्यादा घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ आगरा-लखनऊ

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई, जबकि दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। गोरखपुर से चंडीगढ़ जा रही एक डबल डेकर स्लीपर बस फिरोजाबाद जिले के नगला खंगर थाना क्षेत्र में आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। शुरूआती जांच में हादसे की वजह चालक को आई नींद की झपकी मानी जा रही है। हादसे के बाद पुलिस, यूपीडा और एंबुलेंस टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। शुक्रवार सुबह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गोरखपुर से चंडीगढ़ जा रही यात्रियों से भरी डबल डेकर स्लीपर बस खंभा संख्या 63 के पास आगे चल रहे ट्रेलर ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस के अंदर बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही नगला खंगर थाना पुलिस, यूपीडा की रेस्क्यू टीम और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। स्थानीय टीमों ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। बस में 60 से अधिक यात्री



सवार बताए जा रहे हैं। हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए शिकोहाबाद के संयुक्त जिला चिकित्सालय भेजा गया। इनमें से पांच यात्रियों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सैफर्ड मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान बस चालक को संभवतः नींद की झपकी आ गई, जिसके कारण बस अनियंत्रित होकर ट्रेलर से जा टकराई। हालांकि, पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

5 महीने, 21 ट्रांजैक्शन और एक महिला गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर खाते से साफ कर दिए 3.6 करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

यूपी नोएडा में डिजिटल गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर 3.6 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। साइबर अपराधियों ने एक लेडर कारोबारी को भारी मुनाफे का लालच देकर पांच महीने तक अपने जाल में फंसाए रखा और 21 अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 3.6 करोड़ रुपये ठग लिए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-150 निवासी रवि लेडर बैग और पर्स के निर्यात का कारोबार करते हैं। 31 दिसंबर 2025 को उनके क्लाउसएप पर शेयर ट्रेडिंग से जुड़ा एक मैसेज आया। इसके बाद रिया नाम की एक महिला ने खुद को शंघाई गोल्ड एक्सचेंज से जुड़ा बताते हुए संपर्क किया और उन्हें एसजीएस नाम के क्लाउसएप ग्रुप में जोड़ दिया। ग्रुप में लगातार डिजिटल गोल्ड ट्रेडिंग से करोड़ों रुपये कमाने के स्क्रीनशॉट साझा किए जाते थे, जिससे रवि का भरोसा बढ़ता गया।



हुआ ठगी का एहसास, पहुंचे थाने

ठगी का एहसास होने पर रवि ने राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल और नोएडा साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी साइबर सुरक्षा ने बताया कि जिन बैंक खातों में रकम भेजी गई है, उनकी जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

ऐसे शुरू हुआ ठगी का खेल

महिला के कहने पर रवि ने एक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कर रजिस्ट्रेशन कराया। 19 अप्रैल को उन्होंने 44 हजार रुपये का पहला निवेश किया। दो दिन बाद ऐप पर करीब 19 हजार रुपये का मुनाफा दिखाई दिया और निकासी की रकम उनके बैंक खाते में भी पहुंच गई। इससे उन्हें प्लेटफॉर्म पर पूरा भरोसा हो गया। इसके बाद 26 मई 2026 तक रवि ने 21 बार में कुल 3.6 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। ऐप पर उनका पोर्टफोलियो 6 करोड़ रुपये से अधिक दिखाया जाने लगा, लेकिन जब उन्होंने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो आरोपी महिला हर बार अधिक निवेश करने का दबाव बनाती रही।

ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की रोक

13 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

हिंदमाता नेटवर्क @ इलाहाबाद
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम प्रधानों को कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक बनाए जाने के राज्य सरकार के फैसले पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में सरकार के फैसले को अस्वैधानिक बताते हुए अगली सुनवाई 13 जुलाई को तय की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश अरविंद राठौर की याचिका पर सुनवाई पर आया है।

प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने के फैसले को चुनौती

बता दें कि अरविंद राठौर की याचिका में कार्यकाल खत्म होने के बाद ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने के फैसले को चुनौती दी गई थी। उत्तर प्रदेश में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई 2026 को खत्म हो गया था जिसके बाद ग्राम पंचायत चुनाव में देरी होने के कारण राज्य सरकार ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक बना दिया गया था। उत्तर प्रदेश में 57 हजार से ज्यादा ग्राम हैं।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पेश करने के लिए निर्देश

जानकारी के मुताबिक इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने बढ़ाए जाने को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग से चुनाव तारीख बताने का निर्देश दिया है साथ ही राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई पर ओबीसी आयोग की रिपोर्ट कोर्ट में पेश किया जाए।



यूपी में अब 12 करोड़ 58 लाख से ज्यादा वोटर

बता दें कि हाल ही में पंचायत चुनाव से संबंधित वोटर लिस्ट भी जारी की गई थी। जिसके बाद फाइनल वोटर लिस्ट में पंचायत चुनाव के लिए यूपी में कुल 12 करोड़ 58 लाख से ज्यादा वोटर हैं। पहले की वोटर लिस्ट में लगभग 1.81 करोड़ नए मतदाता जोड़े गए हैं।

योगी सरकार की कार्रवाई में

चला बुल्डोजर

कभी अतीक अहमद के रसूल और ताकत के सबसे बड़ा प्रतीक प्रयागराज में उसकी संपत्ति से उसका कार्यालय संचालित होता था और कहा जाता है कि कई अधिकारी एवं प्रभावशाली लोग उससे मिलने पहुंचते थे। समय बदला, सत्ता बदली और हालात भी बदल गए। मायावती सरकार के दौरान इस भवन पर कार्रवाई हुई थी, लेकिन बाद में यह फिर खड़ा हो गया। उमेश पाल हत्याकांड के बाद योगी सरकार की कार्रवाई में बुल्डोजर चला और यह इमारत जमींदोज कर दी गई। आज यह खंडहर इस बात की गवाही दे रहा है कि अपराध से खड़ा किया गया साम्राज्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसका अंत एक दिन निश्चित होता है। फिलहाल विशेष जांच दल अतीक अहमद से जुड़ी असंभावित बेनामी संपत्तियों की भी पड़ताल कर रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में प्रयागराज में माफिया के आर्थिक साम्राज्य से जुड़े और बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

शॉर्ट स्टोरी

बिहार में 1 रुपए में मिलेगी जमीन, बस पूरी करनी होगी ये शर्त

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



बिहार सरकार ने राज्य में शुगर इंडस्ट्री को नई मजबूती देने के लिए 'शुगरकेन इंडस्ट्रीज इन्वेस्टमेंट इंसिटिव पॉलिसी 2026' लागू करने का फैसला किया है। इस नई नीति का मकसद राज्य में बड़े इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करना, बंद पड़ी चीनी मिलों को दोबारा शुरू करना और नई चीनी मिलों की इस्टालमेंट को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में इस नीति को मंजूरी दी गई। गन्ना उद्योग मंत्री सजय कुमार ने बताया कि बिहार देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने चीनी प्रोडक्शन के लिए इतनी व्यापक प्रोत्साहन नीति तैयार की है। सरकार का मानना ​​है कि इससे राज्य में चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथेनॉल और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भी तेजी आएगी। नई नीति के तहत जो इन्वेस्टर्स नई चीनी मिल लगाएंगे, उन्हें 30 साल की लीज पर अधिकतम 40 एकड़ सरकारी जमीन सिफ्ट। रुपये के प्रतीकात्मक शुल्क पर उपखंड के लिए सैफर्ड मेडिकल कॉलेज वाली चीनी मिल के लिए खरीदी गई जमीन पर लगाने वाली रजिस्ट्रेशन फीस और स्टॉप इश्यूटी पूरी तरह वापस की जाएगी। चीनी उत्पादन पर लगने वाले एसजीएसटी की 100 प्रतिशत भरापाई भी पांच साल तक सरकार ही करेगी। सरकार ने इन्वेस्टर्स के लिए आर्थिक सहायता का भी बड़ा प्रवधान किया है। 5,000 टीसीडी (टन क्राशिंग क्षमता प्रतिदिन) वाली नई चीनी मिल लगाने पर 100 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा।

भरत तिवारी का एनकाउंटर

नहीं, हत्या हुई- प्रशांत किशोर

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



ने बिहार की सियासत से लेकर भोजपुर एनकाउंटर, बांकीपुर उपद्रवना, पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों, इंडिया गेटबन्धन और अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले तक कई अहम मुद्दों पर आजतक के साथ बातचीत में खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने भोजपुर एनकाउंटर को हत्या बताया, सम्राट चौधरी पर तीखे आरोप लगाए और कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, इसलिए उससे जुड़े किसी भी मामले में जवाबदेही तय होना बेहद जरूरी है। भोजपुर एनकाउंटर पर प्रशांत किशोर ने कहा कि भरत तिवारी का एनकाउंटर नहीं हुआ है, हत्या हुई है। बिहार की ईद सरकार पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, सम्राट चौधरी पहली बार सत्ता में आए हैं, उन्हें अनुभव नहीं है और जोश में आकर अपराधियों के खिलाफ खुला एक्शन का बात कर रहे हैं। राजनीतिक तौर पर अपरिपक्व हैं। उन्होंने आगे कहा कि सम्राट चौधरी की खुद की अपराधिक खरिद है। भोजपुर एनकाउंटर पर सम्राट चौधरी ने अभी तक एक भी सेवेदना का शब्द नहीं कहा है। बिहार के मुख्यमंत्री के अपराधिक बैकग्राउंड की बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, सम्राट चौधरी पर भी सात हत्या का आरोप है लेकिन नाबालिग का सर्टिफिकेट दिखाकर वह जेल से छूट गए थे। वो ज्यादा दिन तक मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे और बीजेपी उन्हें उत्तर प्रदेश चुनाव तक बना कर रखेगी। सम्राट चौधरी का चाल चरित्र और चेहरा मुख्यमंत्री बनते ही दिखने लगा है। बांकीपुर के चुनाव पर बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, बिहार में यह बीजेपी की सबसे मजबूत सीट है। बांकीपुर की जनता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री के रूप में चयन से नाराज है। बांकीपुर की जनता कह रही है कि उन लोगों ने सम्राट चौधरी के लिए नहीं नीतीश कुमार के लिए वोट दिया था। उन्होंने आगे कहा कि मैं बांकीपुर का चुनाव लड़ूंगा। सबकी सहमति है तो मैं लड़ूंगा।

राज खुलने के डर से नाबालिग

लड़की ने कर दी हत्या

हिंदमाता नेटवर्क @ बेतिया



बिहार के बेतिया में 15 साल की किशोरी खुशी कुमारी की हत्या मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जिस सहेली के साथ खुशी घर से निकली थी, उसी पर हत्या के अनुशासक रवने का आरोप लगा है। पुलिस को साजिश के अजुबा, एक आपतिजनक तस्वीर और प्रेम संबंधों का राज खुलने के डर ने इस खौफनाक वारदात को जन्म दिया। जानकारी के मुताबिक, 20 जून को शिकारपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली खुशी कुमारी अपनी पड़ोस की नाबालिग सहेली के साथ घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की। अगले दिन अम्बा टोला सरेह स्थित गन्ने के खेत से खुशी का शव बरामद हुआ, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस जांच में सामने आया कि खुशी को अपनी सहेली की बड़ी बहन के प्रेम संबंधों की बात कही थी, तो सहेली ने अपने प्रेमी निरंजन कुमार के साथ मिलकर उसे रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। पुलिस के मुताबिक, खुशी को तस्वीर डिलीट करने का झांसा देकर गन्ने के खेत में बुलाया गया, जहां पहले से मौजूद निरंजन कुमार के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी गई। मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपी निरंजन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि नाबालिग सहेली को अभिरक्षा में लिया गया है। घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। एसपी कुमार गौतम ने बताया कि तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मानव सूचना के आधार पर मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया है।

वेनेजुएला भूकंप में 235 लोगों की मौत

70 हजार परिवार हुए बेघर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



वेनेजुएला में भूकंप से भारी तबाही ने पूरे देश को गहरे सदम में डाल दिया है। वेनेजुएला में हाल ही में दो बेहद शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आए हैं जिससे देश में भारी तबाही मची है। इस भयानक प्राकृतिक आपदा के कारण देश भर में सैकड़ों बड़ी इमारतें ताश के पत्तों की तरह पूरी तरह हड़ गई हैं। सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस भयंकर और दुखद घटना में अब तक 235 मासूम लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। अस्पतालों में चारों तरफ चीख-पुकार मची हुई है क्योंकि 4300 से ज्यादा लोग इस आपदा में गंभीर रूप से घायल हैं। मलबे के नीचे अभी भी सैकड़ों लोगों के दबे होने की आशंका है जिससे आने वाले दिनों में मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। ला गुआइरा प्रांत में स्थिति सबसे अधिक खराब है और वहां 70 हजार से ज्यादा परिवार इस समय पूरी तरह प्रभावित हैं। इस मुश्किल समय में राहत और बचाव दल लगातार दिन-रात एक करके लोगों की जान बचाने में पूरी तरह जुटे हुए हैं।

इमारतों का गिरना और तबाही

वेनेजुएला के गृह मंत्री डीओसडाडो कैबेलो ने बताया कि काराबालेडा और काटिया ला मार इलाकों में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। इस शक्तिशाली भूकंप के कारण ला गुआइरा में 100 से अधिक इमारतें पूरी तरह से टूटकर जमींदोज हो गई हैं। अधिकारी लगातार मलबे में फंसे हुए करीब 200 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कड़ी मेहनत और प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा 157 लोग लापता बताए जा रहे हैं जिनकी तलाश के लिए खोजी अभियान बहुत तेजी से चलाया जा रहा है।

न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी का बड़ा तोहफा, 10 लाख घरों का किराया 2 साल तक नहीं बढ़ेगा

हिंदमाता नेटवर्क @ न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क शहर के हाउसिंग बोर्ड ने गुरुवार को किराएदारों के हक में एक बहुत ही अहम और बड़ा फैसला लिया है। शहर के लगभग 10 लाख रेगुलेटेड अपार्टमेंट के किराए को अगले 2 साल तक नहीं बढ़ाने के लिए अधिकारिक तौर पर वोट किया गया है। मेयर जोहरान ममदानी ने अपने कार्याकाल के कुछ ही महीनों के भीतर इस मुख्य चुनावी वादे को पूरी तरह से निभा दिया है। रेंट गाइडलाइंस बोर्ड ने 7-1 के वोट से अक्टूबर से शुरू होने वाले एक-साल और दो-साल के लीज के लिए किराए में बढ़ोतरी को ज़िरो तय किया है। इस अहम और बड़े फैसले के बाद मेहनतुन के एक ऑडिटरियम में जमा हुए सैकड़ों किराएदारों ने बहुत भारी खुशी मनाई। मेयर जोहरान ममदानी ने अपने बयान में इसे शहर के आम किराएदारों और कामकाजी लोगों के लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक जीत बताया है। यह वोट हफ्तों तक चली उस सालाना लंबी प्रक्रिया का अहम नतीजा था जिसमें मकान-मालिकों के रेंट बढ़ाने की सीमा तय की जाती है। इन सभी रेगुलेटेड अपार्टमेंट में न्यूयॉर्क शहर के करीब एक-चौथाई लोग अपना जीवन बिताते हैं जिन्हें अब बड़ी राहत मिली है।



औसत मासिक किराया और खर्च

रेंट गाइडलाइंस बोर्ड बैठन, महंगाई, रखरखाव की लागत और मकान-मालिकों की आय जैसे सभी अहम कारकों पर विचार करता है। बोर्ड की 2025 की स्टडी के मुताबिक इन रेगुलेटेड अपार्टमेंट का औसत मासिक किराया लगभग 1,599 डॉलर था। वहीं लिस्टिंग एजेंसी स्टैटिस्टीकी के मुताबिक शहर में नए किराए पर दिए गए अपार्टमेंट का मीडियन किराया 3,950 डॉलर है। ममदानी ने शहर को और भी ज्यादा किरायाती बनाने का वादा किया है और इसी के तहत यह कदम उठाया है।

किराएदारों की भारी मांग

वॉटिंग से पहले हुई पब्लिक हियरिंग में कई आम किराएदारों ने रेंट न बढ़ाने या किराया कम करने की भारी मांग रखी थी। उनका साफ कहना था कि लगातार बढ़ती हुई महंगाई और महंगे बिलों के मुकाबले उनकी आमदनी बिल्कुल भी नहीं बढ़ रही है। मेयर बिल दी ब्लॉसियो के कार्यकाल में 2015 से 2021 के बीच सिर्फ एक साल के लीज के लिए ऐसा तीन बार हुआ था। मकान मालिकों के समूहों का तर्क था कि किराया न बढ़ाने से प्रॉपर्टी मालिकों के लिए अपनी बिलडिंग का रखरखाव करना बहुत मुश्किल होगा।

बीजिंग की सबसे ऊंची इमारत से टकराया प्लेन, उड़ गए परखच्चे

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग

चीन की राजधानी बीजिंग की सबसे ऊंची इमारत सिंटिक टॉवर से एक विमान टकरा गया है। खबरों के मुताबिक जिस विमान की टक्कर हुई है वो एक छोटा प्लेन है। बीजिंग की इस 109 मंजिला ऊंची इमारत से टकराकर प्लेन क्रैश हो गया है। इस दुर्घटना के सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियोज में 1,700 फीट ऊंची इमारत से छोटे विमान के टुकड़े गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। इमारत के ग्राउंड फ्लोर से घना धुआं उठ रहा था, जहां विमान का मलबा बिखरा पड़ा था। विमान की टक्कर से बिल्डिंग की दो खिड़कियां टूट गईं, जिससे एयरक्राफ्ट पूरी तरह टूट गया है। हैरान करने वाली तस्वीरों में प्लेन के टुकड़े जमीन पर गिरते हुए दिख रहे हैं। सोशल मीडिया की तस्वीरों में टावर के साइड में एक बड़ा छेद दिख रहा है। यह बीजिंग का सबसे ऊंचा टावर है। यह बहुत ऊंची बिल्डिंग चाओयांग डिस्ट्रिक्ट के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में है। इसे अक्सर चाइना जून कहा जाता है, यह बिल्डिंग 1,700 फीट ऊंची है। लोकल मीडिया के मुताबिक, प्लेन कथित तौर पर बी-12पीपी एयरक्राफ्ट था। इस हादसे में हताहतों की संख्या के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पायलट

अकेले उड़ान भर रहा था और उसने सिर्फ. आधे घंटे पहले ही शिफोफ़ी एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। प्लेन शाम 5:40 बजे लैंडिंग के लिए एयरपोर्ट लौटने की तैयारी कर रहा था, लेकिन वह अपने तय रास्ते से भटक गया। फ्लाइट मॉनिटरिंग सिस्टम ने प्लेन को तब तक ट्रैक किया, जब तक कि बीजिंग की ईस्ट फि थ्रू रिंग रोड के इलाके में उसका सिग्नल नहीं चला गया। इसके बाद प्लेन का संपर्क टूट गया और उससे दोबारा संपर्क नहीं हो सका। बीजिंग की रेस्क्यू एजेंसियां घटनास्थल पहुंच गई हैं। सीएनएन के एक पत्रकार ने देखा कि ऊंची इमारत से निकाले गए लोग एंटी गेट के पास सड़कों पर जमा हो गए थे; वहां फायर ट्रक, पुलिस की गाड़ियां और एम्बुलेंस भी मौजूद थीं। ऑनलाइन तस्वीरों में दिख रहे विमान के रजिस्ट्रेशन कोड से पता चलता है कि यह चीन में बना एक हल्का स्पॉट एयरक्राफ्ट है।



हिंदमाता एंकर चाय उद्योग में आए इस भारी संकट से नेपाल में चाय पत्ती की कीमतें 40-60 रुपये से गिरकर सिधे 15 रुपए पर आ गई हैं

सीमा पर फंसी 13 लाख किलो चाय, सख्त टेस्टिंग से नेपाली फैक्ट्रियों पर लगा ताला

हिंदमाता नेटवर्क @ काठमांडू

भारत और नेपाल के बीच चाय के भारी निर्यात को लेकर बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया है जिसने व्यापार को बुरी तरह ठप कर दिया है। भारतीय फूड सेफ्टी अथॉरिटी के सख्त नियमों के कारण नेपाली चाय का निर्यात पूरी तरह से रुक गया है और भारी तनाव पैदा हो गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के हस्तक्षेप के बाद इस गंभीर मसले को सुलझाने की कूटनीतिक कोशिशें अब तेजी से शुरू कर दी गई हैं। सरकार के ठोस आश्वासन के बाद बंद पड़ी चाय फैक्ट्रियों में धीरे-धीरे फिर से काम शुरू होने की एक बहुत बड़ी उम्मीद जगी है। भारत के नए और सख्त नियमों के अनुसार सीमा पर नेपाली चाय के ट्रकों की बहुत ही सघन जांच की जा रही है। पहले सिर्फ कुछ ही सैपल जांच के लिए जाते थे लेकिन अब सख्त निगरानी के कारण कोलकाता लैब से रिपोर्ट आने में 20 दिन लग रहे हैं। इस भारी देरी की वजह से 13 लाख किलो से भी अधिक चाय बॉर्डर पर फंसी हुई है और बुरी तरह से सड़ने की कमाए पर है। इससे नेपाली चाय उद्योग से जुड़े हजारों बेबस किसानों और मजदूरों के सामने अपनी रोजी-रोटी का बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

चाय फैक्ट्रियों पर पड़ा ताला

भारत द्वारा सीमा पर टेस्टिंग नियमों को सख्त करने से नेपाली चाय उद्योग पूरी तरह से ठप पड़ गया है। इलाम में 15 जून और झापा में 18 जून से लगभग 99 चाय फैक्ट्रियों और 50 बागानों में काम पूरी तरह से रुक गया है। इस कारण 60,000 से अधिक दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी छिन्नने की कमाए पर आ गई है जिससे हालात बहुत खराब हैं। सरकार के ठोस कूटनीतिक आश्वासन के बाद ही फैक्टरी मालिकों ने फिर से अपना जरूरी काम शुरू किया है।

सीमा पर सड़ रही 13 लाख किलो चाय



पोस्ट के अनुसार सीमा पर ट्रकों को नई और सख्त लैब टेस्टिंग के लिए बहुत लंबे समय तक रोक़ा जा रहा है। वर्तमान में करीब 3,00,000 किलोग्राम प्रोसेस्ड चाय भारत के गोदामों में और 10 लाख किलोग्राम से ज्यादा नेपाल में फंसी है। कोलकाता की लैब से रिपोर्ट आने में 15 से 20 दिन का बहुत लंबा समय लग रहा है। इस भारी देरी की वजह से चाय सड़ रही है और किसानों की रोजाना करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

राम मंदिर से दिक्कत क्या है? बांग्लादेश संसद में कट्टरपंथियों पर बरसे सांसद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



बांग्लादेश की नई सरकार में मंत्री और BNP सांसद फजलुर रहमान ने देश की संसद में हिंदू अल्पसंख्यकों के पक्ष में एक बेहद अहम और जोरदार भाषण दिया है। उन्होंने अपने इस भाषण में हिंदू

समुदाय की सुरक्षा और कट्टरपंथियों की बढ़ती हुई हिंसक गतिविधियों पर खुलकर कई कड़े सवाल उठाए हैं। फजलुर रहमान ने साफ कहा है कि देश में किसी भी नागरिक को सिर्फ उसके धर्म की वजह से निशाना बनाना बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सांसद के इस बेबाक बयान की अब पूरे देश में बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है और सभी अल्पसंख्यक लोग उनकी इस पहल की काफी सराहना कर रहे हैं। अपने भाषण के दौरान रहमान ने उन चरमपंथी लोगों की बहुत ही कड़ी आलोचना की है जो हिंदू देश छोड़ें जैसे हिंसक नारे लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सड़कों पर उतरकर यह कह रहे हैं कि राम मंदिर नहीं चाहिए उन्हें देखकर ही उनका असली मकसद पूरी तरह समझ में आ जाता है। ऐसे कट्टरपंथी लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इनका एकमात्र मकसद सिर्फ धर्म के नाम पर अपनी ओछी राजनीति और कारोबार करना है। रहमान ने सरकार से अपील की है कि वह सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और ऐसी हिंसा को रोकने के लिए जल्द से जल्द सख्त कानूनी कदम उठाए।

राम मंदिर और पूजा का अधिकार

फजलुर रहमान ने कट्टरपंथियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मैं खुद एक सच्चा मुसलमान हूँ और मुझे इस बात से कोई परेशानी नहीं है। अगर हिंदू समुदाय के लोग अपने मंदिर में शांति से पूजा करते हैं और मैं अपनी मस्जिद में नमाज पढ़ता हूँ तो इसमें आखिर दिक्कत क्या है। उन्होंने पूछा कि जो लोग राम मंदिर का विरोध कर रहे हैं उन्हें इस धार्मिक स्थल और हिंदुओं की पूजा-पाठ से इतनी ज्यादा नफरत आखिर क्यों है।

कानून का राज कायम करने की अपील

मंत्री फजलुर रहमान ने सरकार और गृह मंत्री को भी स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि अगर सरकार को लगता है कि मंदिर का निर्माण ठीक नहीं है तो वह फैसला ले। लेकिन अगर मंदिर बनाने की पूरी कानूनी अनुमति है तो फिर किसी को भी हिंसा या धमकी देकर उसे रोकने का कोई अधिकार बिल्कुल नहीं है। उन्होंने धर्म के नाम पर लगातार नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कानून के तहत बहुत ही सख्त कार्रवाई करने की जोरदार मांग रखी है। बीएनपी सांसद ने देश भर में हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों की निजी संपत्तियों पर होने वाले लगातार हमलों की भी बहुत ही कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसक और शर्मनाक घटनाएं पूरी दुनिया में हमारे देश की छवि को बहुत ही भारी नुकसान पहुंचा रही है।

257 मौतें, 14 देश परेशान अल नीनो का हाथ नहीं, फिर क्यों आग की भट्टी बन गया यूरोप?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जून का महीना यूरोप के लिए एक खौफनाक सपना बन गया है। पूरा महाद्वीप जानलेवा हीट डोम की चपेट में है, जिसने गर्मी के सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ब्रिटेन से लेकर फ्रांस, स्पेन और इटली तक, हाहाकार मचा हुआ है। हालात इतने खराब हैं कि स्पेन में 212 और इटली में 5 लोगों की गर्मी से मौत हो चुकी है, जबकि फ्रांस में गर्मी से राहत पाने के लिए तैरने गए 40 लोग डूब गए। कुल मिलाकर 257 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और 14 से अधिक देश इस समय रेड अलर्ट पर हैं। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह कोई सामान्य मौसमी बदलाव नहीं है। प्रशांत महासागर में होने वाले मौसमी बदलाव अल नीनो का इस गर्मी से कोई लेना-देना नहीं है। एक नई स्टडी के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के बिना इस तरह की गर्मी का आना लगभग असंभव था। आइए समझते हैं कि यूरोप में यह हीट इमरजेंसी क्यों आई है और इसके पीछे के असली कारण क्या हैं।

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी: फ्रांस और ब्रिटेन में हालात बेकाबू

इस हफ्ते की गर्मी ने 1976 और 2003 के कुख्यात हीटवेव के सारे रिकॉर्ड धराशायी कर दिए हैं। फ्रांस का सबसे गर्म दिन और रात: फ्रांस के मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार का दिन देश के इतिहास का सबसे गर्म दिन था। औसत राष्ट्रीय तापमान 30°C दर्ज किया गया। वहीं पश्चिमी फ्रांस के पेरुलुआउ ग्रह में पारा 43.8°C तक पहुंच गया। यही नहीं, बुधवार की रात फ्रांस के इतिहास की सबसे गर्म रात रही, जब औसत तापमान 38.5°C रहा। ब्रिटेन में झुलसने वाली गर्मी: लगातार दो दिन ब्रिटेन ने अपने जून के अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड तोड़ा। समरसेट के मेरीफील्ड में तापमान 36.7°C दर्ज किया गया, जिसने 1976 और 1957 के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए।



जलवायु परिवर्तन है असली मुजरिम

इपीरियल कॉलेज लंदन और वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन के वैज्ञानिकों ने इस हीटवेव को एनालाइज किया, जिसके नतीजे डराने वाले हैं। 50 साल पहले यह असंभव था: वैज्ञानिकों का कहना है कि जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के अंधाधुंध इस्तेमाल से जो जलवायु परिवर्तन हुआ है, वह पूरी तरह से इस गर्मी के लिए जिम्मेदार है। अगर यही मौसम 1976 में आता, तो दिन का तापमान आज की तुलना में 3.5°C कम होता। 100 गुना ज्यादा खतरा: आज की दमघोड़ रातें 2003 की तुलना में 100 गुना ज्यादा होने की आशंका है। 2003 के हीटवेव में यूरोप में 70,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। अल नीनो का कोई हाथ नहीं: वैज्ञानिकों ने साफ किया कि प्रशांत महासागर में होने वाले मौसमी बदलाव अल नीनो का इस गर्मी से कोई लेना-देना नहीं है। यह पूरी तरह से इंसानों द्वारा पैदा किया गया संकट है।

धधक रहे हैं रूस के ऑयल डिपो, केमिकल प्लांट

जेलेंस्की ने खुद पोस्ट किया अटैक का वीडियो

हिंदमाता नेटवर्क @ मॉस्को

यूक्रेन ने एक बार फिर से रूस पर बड़ा हमला किया है और उसके ऑयल डिपो और केमिकल प्लांट को निशाना बनाया है। हमले से जुड़े वीडियो को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुद एक्स पर पोस्ट किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि रूस के 12 इलाकों के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले क्रोमिया प्रायद्वीप, काला सागर और आज़ोव सागर पर रात में हुए एक बड़े हमले में रूसी एयर डिफेंस ने 660 यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट किया है। ऐसा लगता है कि ये चार साल के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक था। रूस के साथ लंबे समय से चल रहे थकाऊ युद्ध का पासा पलटने की कोशिश में यूक्रेन के लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन महीनों से फ्रंट लाइन के पीछे और रूस के अंदर तेल उत्पादन और एनर्जी सेंटर को निशाना बना रहे हैं।



यूक्रेन ने एक बार फिर से रूस पर बड़ा हमला किया है और उसके ऑयल डिपो और केमिकल प्लांट को निशाना बनाया है। हमले से जुड़े वीडियो को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुद एक्स पर पोस्ट किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि रूस के 12 इलाकों के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले क्रोमिया प्रायद्वीप, काला सागर और आज़ोव सागर पर रात में हुए एक बड़े हमले में रूसी एयर डिफेंस ने 660 यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट किया है। ऐसा लगता है कि ये चार साल के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक था। रूस के साथ लंबे समय से चल रहे थकाऊ युद्ध का पासा पलटने की कोशिश में यूक्रेन के लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन महीनों से फ्रंट लाइन के पीछे और रूस के अंदर तेल उत्पादन और एनर्जी सेंटर को निशाना बना रहे हैं।

एफएसएसएआई के सख्त नए नियम

भारत की फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ने 23 जून को एएसएन कोड 0902 के तहत आने वाली चाय के लिए नया निर्देश जारी किया है। इसके तहत घरेलू खपत के लिए आने वाली 20 प्रतिशत चाय की खेपों को रैंडम लैब टेस्टिंग के लिए चुना जाएगा। भारतीय उत्पादकों की गंभीर शिकायत थी कि नेपाल की सस्ती चाय को प्रीमियम दार्जिलिंग चाय के साथ मिलाया जा रहा है। इसके अलावा नेपाली चाय में कीटनाशकों और रसायनों की मात्रा अधिक होने की भी प्रमुख बातें सामने आई थीं।

नेपाल का पलटवार और कीमतें धड़ाम

चाय उद्योग में आए इस भारी संकट से नेपाल में चाय पत्ती की कीमतें 40-60 रुपये से गिरकर सिधे 15 रुपए पर आ गई हैं। कूटनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि यह भारत का कूटनीतिक जवाबी कदम हो सकता है क्योंकि नेपाल ने भी कुछ फल रोके थे। नेपाल ने हाल ही में भारत से जाने वाले आम और अन्य फलों पर सख्त वॉल्यूमिटी टेस्ट और नए टेक्स थोप दिए थे। भारत ने चाय पर नकेल कसकर नेपाल को बहुत ही कड़ा और स्पष्ट संदेश मजबूती के साथ दिया है।

बिजनेस वर्ल्ड

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी ने जीस्कैल एनर्जी में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत की प्रमुख प्रिंसिपल और मटेरि-डिज़िनिंगर्नी इंजीनियरिंग कंपनी, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने जीस्कैल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड में 51% इक्विटी हिस्सेदारी (बहुमत हिस्सेदारी) खरीदने की घोषणा की। यह भारत की एआई इंफ्रास्ट्रक्चर जर्नी और एक फुल-स्केल इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म के तौर पर एसडीटीएल के विकास में एक अहम मोड़ है। एक दशक से ज्यादा समय से, एसडीटीएल ने फार्मा और केमिकल इंडस्ट्रीज के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में महारत हासिल की है — वे कुलिंग सिकइस, हीट एक्सचेंजर्स, वैक्यूम सिस्टम, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, ऑटोमेशन, एयर हैंडलिंग यूनिट्स, प्रोसेस डिस्ट्रीब्यूशन यूनिट्स, मॉड्युलर प्रोसेस इक्विपमेंट और पूरे टर्नकी प्लांट्स उपलब्ध कराते हैं। हर फार्मा फैसिलिटी को सटीक इंजीनियरिंग वाले पावर मैनेजमेंट, थर्मल कंट्रोल, क्लीन यूटिलिटीज और फल-सेफ ऑटोमेशन की जरूरत होती है, और यही जरूरत हर मॉडर्न एआई डेटासेंटर की भी होती है। जहाँ एसडीटीएल ने रिपेक्टरों के लिए कुलिंग सिस्टम बनाए, वहीं जीस्कैल जीपीयू क्लस्टर के लिए कुलिंग सिस्टम बनाती है। जहाँ एसडीटीएल ने केमिकल प्लांट के लिए इलेक्ट्रिकल सिस्टम तैयार किए, वहीं जीस्कैल हाइड्रस्कैल एआई फेक्ट्रियों के लिए पावर इंफ्रास्ट्रक्चर देती है। जहाँ एसडीटीएल ने डीग्रेटेड टर्नकी फार्मा फैसिलिटीज तैयार की, वहीं जीस्कैल कॉन्सेंट से लेकर कमीशनिंग तक पूरे एआई डेटासेंटर बनाकर देती है। एसडीटीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर, नागेश्वर राव कंडूला ने कहा, "जिस इंजीनियरिंग तरीके से फार्मा प्लांट सुरक्षित और कुशल बनते हैं, उसी तरीके से डेटा सेंटर भी भरोसेमंद और शक्तिशाली बनते हैं। एसडीटीएल और जीस्कैल का इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन एक ही है — सही डिजाइन, सटीक निर्माण और बेहतरीन परफॉर्मेंस। हम साथ मिलकर सिर्फ डेटा सेंटर मार्केट में नहीं उतर रहे हैं, बल्कि हम भारत का सबसे सक्षम एआई इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। जीस्कैल एनर्जी के फाउंडर और डायरेक्टर, मिस्टर कासु ब्रह्मा रेड्डी ने कहा, जीस्कैल को गीगावाट स्केल पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए बनाया गया था। एसडीटीएल की नेफ्यूक्लरिंग क्षमता, फाइनशिअल मजबूती और काम करने के तरीके के साथ, अब हमारे पास ऐसी रखात और बड़े पैमाने पर वर्ल्ड-क्लास एआई डेटासेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है, जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा।



दशहरी, चौसा और केसर का विदेश में जलवा! भारत ने खोला आम के निर्यात का नया रास्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत अब अपने मशहूर आमों को दुनिया के नए और प्रीमियम बाजारों तक पहुंचाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है। परंपरिक खरीदार देशों में मांग कमजोर पड़ने के बाद सरकार और निर्यात एजेंसियां ऐसे देशों पर फोकस कर रही हैं, जहां बेहतर गुणवत्ता वाले फलों के लिए ग्राहक ज्यादा कीमत चुकाने को तैयार हैं। इसी कड़ी में इस सप्ताह पहली बार आइसलैंड में भारतीय आमों के प्रसार-प्रसार के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। रेंकजाविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के सहयोग से 24 और 25 जून को रेंकजाविक और अकुरेयरी में भारतीय आमों का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान भारत की लोकप्रिय किस्में दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर स्थानीय आयतकों, कारोबारियों और उपभोक्ताओं के सामने पेश की गईं। इस पहल का उद्देश्य भारतीय आमों की गुणवत्ता से नए बाजारों को परिचित कराना और वहां निर्यात के अवसर बढ़ाना है। हालिया व्यापार आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में भारत के कई प्रमुख आम आयातक देशों में निर्यात घटा है। भारत के सबसे बड़े बाजार संयुक्त अरब अमीरात को आम का निर्यात पिछले साल के 96.5 लाख डॉलर से घटकर 36.4 लाख डॉलर रह गया। इसी तरह, अमेरिका को निर्यात 50.8 लाख डॉलर से घटकर 35 लाख डॉलर और ब्रिटेन को 35.2 लाख डॉलर से घटकर 23.5 लाख डॉलर रह गया। इसके अलावा सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसे खाड़ी देशों में भी भारतीय आम की मांग में कमी दर्ज की गई। इन आंकड़ों से साफ है कि भारत को अब पारंपरिक बाजारों के अलावा नए देशों में भी अपनी मौजूदगी मजबूत करनी होगी। हालांकि सभी देशों में स्थिति एक जैसी नहीं है।



ऑडी और पोर्श बनाने वाली कंपनी 1 लाख कर्मचारियों की करेगी छंटनी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया की बड़ी वाहन निर्माता कंपनी वोक्सवैगन आने वाले साल में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी खर्च कम करने और कारोबार को मजबूत बनाने के लिए करीब 1 लाख कर्मचारियों की संख्या घटाने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही जर्मनी में मौजूद कुछ फैक्ट्रियों को भी बंद किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वोक्सवैगन के सीओओ ऑलिवर ब्लूम ने हाल ही में कंपनी की एक अहम बैठक में इस योजना पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि कंपनी पहले लगभग 50,000 नौकरियां कम करने की योजना बना रही थी, लेकिन अब इस संख्या को बढ़ाकर करीब 1 लाख तक किया जा सकता है। फिनेलल वोक्सवैगन ग्रुप में करीब 6.57 लाख कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी का मानना ​​है कि खर्च कम करके वह भविष्य में ज्यादा मुनाफा बन सकती है। वोक्सवैगन इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रही है। अमेरिका में बाइसेआयल शुल्क, चीन में कमजोर डिमांड और यूरोप में दूसरी कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का असर कंपनी के कारोबार पर पड़ा है। खासकर इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं, जिससे वोक्सवैगन पर दबाव बढ़ा है। इसी वजह से कंपनी अपने खर्च कम करने और कारोबार को नए तरीके से चलाने की योजना बना रही है। वोक्सवैगन पहले ही कई बदलाव शुरू कर चुकी है। कंपनी अपने कुछ कारोबार बंद चुकी है और हजारों कर्मचारियों ने स्वेच्छ से नौकरी छोड़ने पर सहमति भी दी है। इसके अलावा कंपनी ने अपनी सालाना उत्पादन क्षमता भी पहले के मुकाबले कम कर दी है ताकि मांग के अनुसार उत्पादन किया जा सके। कंपनी की इस नई योजना का कर्मचारी संगठन और यूनियन विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म की गईं या फैक्ट्रियां बंद की गईं तो इससे हजारों परिवारों पर असर पड़ेगा। यूनियन ने साफ कहा है कि अगर कंपनी ऐसे फैसलों को आगे बढ़ाती है, तो वे इसका पूरी ताकत से विरोध करेंगे।

तेल की टेंशन खत्म-शुरू हुई नई टेंशन, मानसून में देरी बढ़ाएगी इंप्लेशन!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भले ही कच्चे तेल का संकट थोड़ा कम हो गया हो सया हो और कीमतों में कमी के कारण महंगाई दबाव कम हुआ हो, लेकिन भारत की इकोनॉमी के लिए नया सिरदर्द खड़ा हो गया है। वास्तव में कमजोर मानसून भारत के लिए महंगाई का अगला खतरा बनकर उभर रहा है। अल-नीनो के कारण बारिश कम होने और खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने का डर है, जबकि तेल की कीमतों में नरमी से महंगाई का दबाव कम हुआ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून, जिससे भारत में सालाना बारिश का लगभग 70 फीसदी हिस्सा आता है, 300 अरब डॉलर की एपीकल्डर इकोनॉमी के लिए बहुत जरूरी है। इसका खाने-पीने की चीजों की कीमतों, ग्रामीण मांग और कुल आर्थिक उत्पादन पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। आइए इसके बारे में विस्तार से चर्चा करते हैं। एलएडटी फाइनेंस लिमिटेड की इकोनॉमिस्ट रजनी लाधुर ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा कि खराब बारिश से इक्विटी मार्केट और ग्रामीण खर्च, दोनों पर बुरा असर पड़ता है। एलएडटी फाइनेंस 450 अरब रुपए (4.8 अरब डॉलर) से ज्यादा का ग्रामीण लोन का कारोबार करती है। उन्होंने कहा कि पहले महंगाई बढ़ती है, फिर लोगों का मुँह खराब होता है, जिससे त्योहारों के मौसम में खर्च कम हो जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने कहा है कि वे महंगाई के हालात का अंदाजा लगाने के लिए मौसम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अगर कीमती का दबाव बढ़ता है तो वे कदम उठाने के लिए तैयार हैं। फ़क्कने इस महीने अपनी मुख्य ब्याज दर को 5.25 फीसदी पर बनाए रखा और महंगाई के अपने 2-6 फीसदी के लक्ष्य के दायरे में रहने के कारण न्यूनतर अपनाना। वॉलटइको रिसर्च की इकोनॉमिस्ट अश्वथाश्वी युधिका सिघल की रिसर्च के अनुसार, बारिश में 10 फीसदी की कमी से खाने-पीने की चीजों की कीमतों के कारण होने वाली मुख्य कंज्यूमर महंगाई (हेडलाइन कंज्यूमर इन्फ्लेशन) में एक प्रतिशत अंक तक की बढ़ोतरी हो सकती है। 22 जून तक भारत में कुल बारिश सामान्य से 43 फीसदी कम थी। प्रतीति भारत में, मानसून में देरी, जो आम तौर पर 1 जून से 30 सितंबर तक चलता है, का असर सरकारी आंकड़ों में सबसे पहले नहीं दिखता। इसके बजाय, इसका असर खाद की कम खरीद, ट्रैक्टर की बुकिंग टालने, मोटरसाइकिल के बारे में कम पूछाछ और सिबिबर में शुरू होने वाली लोहारों के मौसम से पहले दुकानदारों द्वारा स्टॉक कम रखने के रूप में दिखता है।



फैन ने क्या कहा : दरअसल, शाहरुख मैंगलोर गए थे और इस दौरान एक फीमेल फैन ने कहा कि मैं आपको अपने पति से ज्यादा प्यार करती हूं।

शाहरुख का जवाब : शाहरुख ने इस पर स्माइल करते हुए कहा कि ये सब अकेले में बताना चाहिए ना। शाहरुख की बात सुनकर सब हंसने लग जाते हैं। इसके बाद शाहरुख बोलते हैं कि मैं आपकी फीलिंग्स समझता हूं और आपके पति भी समझते होंगे। मैं आप सभी से प्यार करता हूं। मैं आपके पति से भी प्यार करता हूं। मैं आपके परिवार से भी प्यार करता हूं। थैक्यू सो मच। शाहरुख ने फिर अपनी अपनी पॉपुलर बचपन की फोटो के बारे में भी बात की और कहा, ये फोटो फिलहाल अजीब दिख रही है, लेकिन बिचारे इसमें बिना कपड़े के मैं हूं। यही मेरी एक फोटो है बचपन की जो मेरे पास है।

शाहरुख की प्रोफेशनल लाइफ
शाहरुख की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट फिल्म डंकी में नजर आए थे। फिल्म में शाहरुख के साथ तापसी पन्नू लीड रोल में थे। अब वह फिल्म किंग में नजर आएंगे। यह फिल्म शाहरुख के लिए काफी खास है क्योंकि इस फिल्म के जरिए वह पहली बार सुहाना के साथ काम करेंगे। किंग में शाहरुख, सुहाना खान के अलावा दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर अहम किरदार में हैं। फिल्म में शाहरुख जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। इसके अलावा उनका लुक भी काफी डिफ्रेंट होगा जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल भी हुआ है। वैसे शाहरुख के बेटे आर्यन ने भी बॉलीवुड डेब्यू कर लिया है। आर्यन की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड पिछले साल आई थी। आर्यन ने एक्टर छोड़ बतौर डायरेक्टर अपना करियर शुरू किया है। पहले ही शो से आर्यन ने सबका दिल और कई अवोर्ड्स भी जीते हैं। वहीं सुहाना का पहला प्रोजेक्ट द आर्चीज था जिसे जोया अख्तर ने बनाया था। द आर्चीज नेटफिलक्स में आया था। हालांकि यह चला नहीं था।



मुंबई में आईफा कनेक्स का दूसरा संस्करण का आयोजन किया गया। इस दौरान दीया मिर्जा, पंकज त्रिपाठी और उर्वशी रौतेला के अलावा कई सितारों ने हिस्सा लिया। जिसके वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं।

पंकज त्रिपाठी-दीया मिर्जा
आईफा कनेक्स के कॉन्सेप्ट को लेकर पंकज त्रिपाठी बेहद खुश दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि लोग एक साथ बैठे और अपने सुझाव शेयर करें। बस इस तरह की कोई चीज नहीं हो पाती है, बाकी सब कुछ हो जाता है। जब दीया ने पंकज से पूछा कि अगर आपका यूट्यूब चैनल हो तो आप क्या करेंगे? दीया की इस बात पर पंकज ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि उन्हें मौका मिला तो वह प्रचन देना शुरू कर सकते हैं। दीया मिर्जा ने IIFA CONNEX Edition 2 का उद्घाटन किया। दीया ने इस कार्यक्रम को लेकर कई बातें बताईं। उन्होंने कहा कि आज सभी यहां पर अपने विचारों को शेयर करेंगे और वह इस कार्यक्रम को लेकर बेहद खुश हैं। इस कार्यक्रम में जैकी भगनानी भी नजर आए।

कई सितारे आए नजर
इस कार्यक्रम में दीया मिर्जा, पंकज त्रिपाठी, उर्वशी रौतेला, चंकी पांडे, जैकी भगनानी के अलावा भी कई सितारे नजर आए। जिनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर फैस के बीच जमकर वायरल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में कई सितारों ने अपने विचारों को शेयर किया।

टीवी और ओटीटी पर लौट रहा ‘खतरों के खिलाड़ी 15’
रोहित शोर्टी का एडवेंचर रियलिटी शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ अपनी पूरी ताकत के साथ छोटे पर्दे पर लौटने के लिए तैयार है। साल 2025 में कुछ अंदरूनी विवादों के कारण यह शो प्रसारित नहीं हो सका था, जिसके चलते दर्शकों को दो साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। लेकिन अब फैस का यह इंतजार खत्म होने जा रहा है। होस्ट रोहित शोर्टी ने साउथ अफ्रीका के केपटाउन में इस सीजन की 40 दिनों की बेहद कठिन और थका देने वाली शूटिंग को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। रोहित शोर्टी ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर वादा किया है कि यह सीजन अब तक का सबसे खतरनाक और अनोखा होने वाला है।

कब और कहां प्रसारित होगा खतरों के खिलाड़ी 15?
मेकर्स ने एक धमाकेदार प्रोमो जारी करते हुए ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ के प्रीमियर की तारीख साफ कर दी है। ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ का ग्रैंड प्रीमियर 25 जुलाई से होने जा रहा है। टीवी पर चल रहे कॉमेडी कुकिंग शो ‘लापटर शोप्स सीजन 3’ के समाप्त होते ही यह शो वीकेंड स्टॉट को अपने नाम कर लेगा। खतरों के खिलाड़ी 15 एक बाई-वीकली शो होगा, जिसका प्रसारण हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे कलर्स टीवी पर किया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल दर्शक इसे जियो हॉटस्टार ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी स्ट्रीम कर सकेंगे।

क्या था चैनल और प्रोडक्शन हाउस का विवाद?
साल 2025 के मध्य में शो की प्लानिंग की गई थी, लेकिन अप्रैल 2025 में अवाक ‘बनिजय एशिया’ और ‘एडेमॉल’ के बीच हुए अंदरूनी मतभेदों के कारण प्रोडक्शन का काम रुक गया था। खबरें तो यहां तक थी कि ‘बिग बॉस 19’ और ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ कलर्स टीवी को छोड़कर ‘सोनी टीवी’ पर शिफ्ट हो सकते हैं। हालांकि, कलर्स चैनल ने समय रहते नए प्रोडक्शन हाउस के साथ इस गुत्थी को सुलझा लिया और शो अपने मूल चैनल पर ही वापस लौट आया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजु बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेनर चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप

लक्ष्य हासिल करना चाहती थी भारतीय महिला टीम

क्रिकेट की दुनिया में जॉन अब्राहम की एंट्री



बांग्लादेश को आसानी से हराया

महिला टी-20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान
हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर केच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विशेषी टीम की ताकत, कप्तानों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है। इसी वजह से टीम चयन में लचीलापन रखा गया है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत
भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया। हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजे आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा।

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन आज लाखों-करोड़ों फैस के दिलों पर राज करते हैं। बड़े पर्दे पर उनकी किलर स्माइल, चार्म और को-एक्ट्रेस के साथ उनकी गजब की केमिस्ट्री देखकर कोई अंदाजा भी नहीं लगा सकता कि कभी इस नेशनल क्रश को कैमरे के सामने रोमांस करने में घबराहत होती थी। आज भले ही कार्तिक पर्दे पर इश्क के सौ रंग बिखरते हों, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब वे ऑन-स्क्रीन ‘किस’ करने में इतने अनाड़ी थे कि डायरेक्टर को परफेक्ट शॉट देने के लिए उन्हें पूरे 37 रीटेक देने पड़े थे। आइए, जानते हैं बॉलीवुड के गलियारों से निकला यह बेहद दिलचस्प और मजेदार किस्सा।

■ यह बात साल 2014 की है, जब कार्तिक आर्यन फिल्म इंटरस्टी में अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए कड़ा संघर्ष कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें बॉलीवुड के दिग्गज शोमैन सुभाष घई की फिल्म ‘कांवी : द अनब्रेकेबल’ में नक छोटा सा रोल मिला। भले ही स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन सुभाष घई जैसे लीजेंडरी डायरेक्टर के साथ काम करना कार्तिक के लिए किसी लॉटरी से कम नहीं था। फिल्म के एक खास सीन में कार्तिक आर्यन को लीड एक्ट्रेस मिथी चक्रवर्ती को एक बेहद इंटेंस, सीरियस और पेशनेट ‘किस’ करना था। कैमरा रोल हुआ, कार्तिक आगे बढ़े, लेकिन सुभाष घई को वो शॉट पसंद नहीं आया। घई साहब को सीन में वो शिद्दत और आग नहीं दिख रही थी, जिसकी रिक्वांट को डिमांड थी।

■ एक पुराने इंटरव्यू में इस मजेदार वाक्ये को याद कर कार्तिक आर्यन खुद हंसते हुए बोले थे, मुझे उस वक्त फिल्मों में पेशनेटली किस करना नहीं आता था। सुभाष जी को सीन में बहुत ज्यादा पेशन चाहिए था और मैं उसे ठीक से एक्सप्रेस ही नहीं कर पा रहा था। एक पल तो ऐसा आया जब मैं इतना डर गया था कि घई साहब से कहने वाला था –सर, प्लीज आप ही यह सीन करके दिखा दीजिए। मुझे सच में नहीं पता था कि फिल्मों में एक किसिंग सीन फिल्माना इतना थका देने वाला काम होता है।

■ इस एक परफेक्ट शॉट को ‘ओके’ करवाने में कार्तिक के पसीने छूट गए थे और आखिरकार 37वें रीटेक में जाकर सुभाष घई ने ‘कट’ बोला था। आज कार्तिक आर्यन जिस सहजता से पर्दे पर लवर-बॉय के किरदारों को जीते हैं, उसकी नींव में ‘कांवी’ के वो 37 रीटेक भी शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें निखारने का काम किया। ‘प्यार का चक्का’ (2011) के मोनोलॉग से लाइमलाइट में आए कार्तिक का सफर इतना आसान नहीं था। ‘कांवी’ जैसी फिल्मों के प्लॉप होने के बाद उन्होंने एक लंबा रिजैक्शन और स्टूगल का दौर देखा।

■ उनके पास फिल्में नहीं थीं और बॉक्स ऑफिस पर उनका सिकवा जम नहीं पा रहा था। लेकिन साल 2018 में आई लव रंजन की फिल्म ‘सोनी टीटू की स्वीटी’ ने कार्तिक आर्यन की किस्मत का पासा 180 डिग्री पलट दिया। इस फिल्म की ब्लॉकबस्टर कामयाबी के बाद कार्तिक ने कभी मुड़कर नहीं देखा। आज वे बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड या गॉडफादर के बॉलीवुड के सबसे महेगे, भरोसेमंद और ‘गारंटीड हिट’ देने वाले सुपरस्टार्स में से एक बन चुके हैं।



जॉन अब्राहम ने क्रिकेट की दुनिया में एक बड़ा कदम रखा है। जॉन अब्राहम आगामी यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग (ETPL) की प्रमुख फ्रेंचाइजी रॉटरडैम डॉकर्स के आधिकारिक सह-मालिक बन गए हैं। फुटबॉल लीग (ISL) में नॉर्थइस्ट यूनाइटेड एफसी के सफल संचालन के बाद, क्रिकेट में जॉन का यह नया निवेश वैश्विक खेल बाजार में उनकी बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है।

दिग्गज क्रिकेटर्स के साथ मिलाया हाथ
रॉटरडैम डॉकर्स की ओनरशिप और लीडरशिप ग्रुप में जॉन अब्राहम अकेले नहीं हैं। वह दुनिया के सबसे बेहतरीन फील्डर्स में शुमार जॉनी रोड्स, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस और धाकड़ बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन जैसे दिग्गजों की कतार में शामिल हो गए हैं। फ्रेंचाइजी के मैनेजिंग पार्टनर मधुकर श्री के साथ मिलकर यह पूरी कोर टीम रॉटरडैम को यूरोपीय क्रिकेट का नया पावरहाउस बनाने के लिए तैयार है। इस साझेदारी पर उत्साह जताते हुए जॉन अब्राहम ने कहा कि क्रिकेट में लोगों को प्रेरित करने, एकजुट करने और नए अवसर पैदा करने की अद्भुत क्षमता है। यूरोप वर्तमान में क्रिकेट के लिए सबसे तेजी से उभरते हुए बाजारों में से एक है। रॉटरडैम डॉकर्स के पास एक बेहतरीन दृष्टिकोण और महत्वाकांक्षा है, और मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं।

अभिषेक बच्चन ने किया स्वागत
ईटीपीएल (ETPL) के सह-संस्थापक और जॉन के करीबी दोस्त अभिषेक बच्चन ने इस डील पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने जॉन अब्राहम का लीग में स्वागत करते हुए कहा कि खेल के प्रति जॉन का जुनून और बतौर स्पॉटर्स एंटप्रेन्योर उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रॉटरडैम डॉकर्स को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। अभिषेक बच्चन का मानना है कि जॉन के आने से यूरोप में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लीग के दृष्टिकोण को और मजबूती मिलेगी।

क्या है यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग?
यह आईसीसी द्वारा स्वीकृत यूरोप की पहली सबसे बड़ी आधिकारिक फ्रेंचाइजी टी-20 लीग है। इसका मुख्य उद्देश्य नीदरलैंड, स्कॉटलैंड और आयरलैंड जैसे देशों में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच देना है। जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन, राहुल द्रविड और स्टीव वॉ जैसी वैश्विक हस्तियों के जुड़ने से इस लीग को भारी मीडिया कवरेज और वैश्विक व्यूअरशिप मिलना तय है। अब सभी की निगाहें 26 अगस्त पर टिकी हैं, जब यूरोप की धरती पर चौक-छक्कों की बरसात के साथ क्रिकेट का एक नया युग शुरू होगा।



‘द इंडिया स्टोरी’ का टीजर रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी: स्टॉर् पॉइज इन प्रोग्रेस’ का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जो देश में बढ़ती कीटनाशक खेती (पेस्टिसाइड फार्मिंग) और उसके समाज पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को उजागर करती है। अभिनेत्री काजल अग्रवाल और अभिनेता श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म एक ऐसे बदते खतरे पर प्रकाश डालती है, जो हर दिन करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है।

■ जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी, लेखन और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और हिंदी, तेलुगु तथा तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी। फिल्म के प्रभावशाली टीजर में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े के संघर्ष को बेहद मार्मिकता से दर्शाया गया है, जो न्याय की लड़ाई लड़ते हुए कीटनाशक खेती की भयावह सच्चाई को उजागर करने का प्रयास करते हैं। टीजर यह दिखाता है कि किस तरह जहरीले रसायन धीरे-धीरे हमारी रोजमर्रा की खाद्य सामग्री में शामिल हो रहे हैं और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं।

■ भावनात्मक और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानी के माध्यम से फिल्म एक ऐसे मुद्दे पर लोगों का ध्यान आकर्षित करती है, जो अपनी व्यापकता के बावजूद अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक चेतन डीके ने कहा कि द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत है, जिसे समाज में हमें शुरू करने की जरूरत है। इस कहानी के माध्यम से हम कीटनाशक खेती की चिंतानेक वास्तविकता और उससे पैदा हो रहे मौन स्वास्थ्य संकट को सामने लाना चाहते थे। टीजर केवल उस बड़े मुद्दे की एक झलक है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित कर रही है। हमारा उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, लोगों को सोचने पर मजबूर करना और उन्हें यह सवाल पूछने के लिए प्रेरित करना है कि आखिर उनकी थाली में क्या परोसा जा रहा है।

■ इस विषय में श्रेयस तलपड़े कहते हैं कि द इंडिया स्टोरी की सबसे बड़ी खासियत इसका प्रासंगिक विषय है। आज कीटनाशक खेती ऐसा मुद्दा बन चुका है, जो हर घर से जुड़ा हुआ है, लेकिन हम अक्सर इसके लंबे परिणामों पर ध्यान नहीं देते। मेरे किर्दार की यात्रा एक आम पिता के संघर्ष को दर्शाती है, जो खुद से कहीं ज्यादा बड़े व्यवस्था के खिलाफ एक लड़ाई लड़ता है। यह फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ एक बेहद जरूरी चर्चा की शुरुआत भी करती है। वहीं काजल अग्रवाल ने कहा, द इंडिया स्टोरी एक मजबूत सामाजिक संदेश वाली फिल्म है। एक मां होने के नाते यह कहानी मुझे व्यक्तिगत स्तर पर बेहद करीब लगी, क्योंकि यह उन चिंताओं और डर को दर्शाती है जिनका सामना आज कई माता-पिता कर रहे हैं।